@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

# कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 29 मई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 204 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## कर्नाटक का सियासी घमासान 'थमा'

### सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा, डीके शिवकुमार के नाम का किया प्रस्ताव

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल की अनुपस्थिति में उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ अपने आवास पर ब्रेकफास्ट के साथ बैठक कीथी। हालांकि यह बैठक एक घंटा देर से शुरू हुई क्योंकि सिद्धारमैया खुद एक घंटे की देरी से अपने आवास में उस जगह पहुंचे, जहां मंत्रियों के लिए ब्रेकफास्ट की टेबल सजी थी। बैठक में शिवकुमार और सिद्धारमैया ने एक-दूसरे को गले लगाकर एकजुटता का संदेश दिया और शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छूकर उनका आशीर्वाद भी लिया। सिद्धारमैया ने अपने सभी साथियों का धन्यवाद दिया। इसके बाद सिद्धारमैया राजभवन पहुंचे। राज्यपाल की अनुपस्थिति में सिद्धारमैया ने उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके तुरंत बाद कर्नाटक कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'उस दिन, आज के दिन, हमेशा के लिए... एकता ही हमारी शक्ति है! जनसेवा ही हमारी शाश्वत प्रतिबद्धता है! बताया गया कि सिद्धारमैया ने ब्रेकफास्ट बैठक में अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए अगले मुख्यमंत्री के लिए डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव भी कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री के नाम पर विधायक दल की मोहर लगनी अभी बाकी है।

●माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक आज 29 मई की शाम 5 बजे बेंगलुरु के एक होटल में बुलाई गई है।

#### कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के सीएम पद के लिए शिवकुमार का किया समर्थन

वडेट्टीवार ने कहा कि चुनावों से पहले कुछ चर्चाएं हुई थीं और यह सब उसी से जुड़ा है। सिद्दारमैया हमारी पार्टी के बहुत वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं। पार्टी में उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और मुख्यमंत्री के तौर पर अच्छा काम किया है। उन्होंने आगे कहा, 'इस स्थिति में वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें अच्छे पद और काम करने के अवसर देते हुए।

## मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर कार्यों की

### ●समीक्षा, 43 एकड़ भूमि हुई खाली

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर वहां चल रहे अपशिष्ट निस्तारण और भूमि पुनः प्राप्ति कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से हो रही अपशिष्ट निस्तारण प्रक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। भलस्वा डंपसाइट को मंत्रालय ने कचरा स्थल निस्तारण एवं कार्य योजना (डीआरएपी) पहल के तहत अपनाया है। यह मिशन मोड कार्यक्रम देशभर के बड़े पुराने कचरा स्थल को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित कर 'लक्ष्य शून्य कचार स्थल' हासिल करने पर केंद्रित है। उन्होंने सितंबर 2025 में इस साइट को औपचारिक रूप से अपनाने की घोषणा की थी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि जून 2022 में यहां लगभग 73 लाख मीट्रिक टन अपशिष्ट था। जुलाई 2022 से प्रतिदिन लगभग 15 हजार मीट्रिक टन अपशिष्ट का जैव अपशिष्ट खनन किया जा रहा है। 26 मई 2026 तक शेष अपशिष्ट घटकर लगभग 23.17 लाख मीट्रिक टन रह गया है। अब तक करीब 43 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा चुकी है, जबकि कुल क्षेत्रफल लगभग 70 एकड़ है। मनोहर लाल ने समीक्षा के दौरान जैव अपशिष्ट खनन कार्यों, पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों, अग्नि रोकथाम, रिसाव (लीचेट) प्रबंधन और संपूर्ण निस्तारण रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने सितंबर तक कचरा स्थल की पूरी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि रोजाना उत्पन्न होने वाले ताजा अपशिष्ट का तुरंत निस्तारण किया जाए ताकि नया पुराना कचरा न बने। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुनः प्राप्त भूमि का उपयोग जनकल्याण और सार्वजनिक हित में किया जाए।

## राजधानी दिल्ली में ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** । राजधानी दिल्ली में आज ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। सुबह-सुबह ईदगाह, मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई और इसके बाद जानवरों की कुर्बानी पेश की गई। इस मौके पर ईदगाहों और मस्जिदों से विश्व शांति, देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गई। ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज़ अदा कराई। अपने विशेष संबोधन में उन्होंने ईद अल अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नमाज को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन का धन्यवाद किया। उन्होंने मुसलमानों से ईद का पर्व मनाने में अपने पड़ोसियो का ख्याल रखने और साफ- सफाई का खास ख्याल रखने की अपील की। शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद अल अजहा की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर अपने विशेष संबोधन में उन्होंने देश-दुनिया के ताजा हालात का जिक्र किया। उन्होंने विश्व में शांति और देश की तरक्की व खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की। रानी झांसी रोड स्थित ईदगाह में भी बड़ी तादाद में मुसलमानों ने नमाज अदा की। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया, दरगाह हजरत बख्तियार काकी में भी ईद की नमाज अदा की गई। जामिया मिलिया इस्लामिया और जामिया हमदर्द में भी ईद की नमाज का आयोजन किया गया जहां पर बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज में भाग लिया। सभी बड़े मुस्लिम संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदों से भी नमाज का एहतेमाम किया गया।

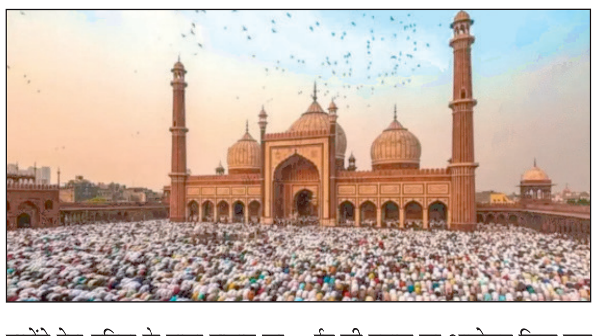

### ●ओएसएम पर उठ रहे सवालों के बीच प्रधान बोले-

## किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

#### प्रधान ने कहा कि तकनीकी और पेमेंट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को इस ओएसएम सिस्टम का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम देशों में इसे अपनाया जा रहा है। उन्होंने छात्रों एवं अभिभावकों को आश्वासन दिया कि किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री प्रधान ने सीबीएसई मुख्यालय में शीर्ष अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, सीबीएसई ने पहली बार इस सिस्टम को लागू किया है। इसमें कुछ विसंगति ध्यान में आई हैं। इसका मैं दायित्व लेता हूं। इसका उपाय निकाला जाएगा। इसके लिए हमसब जुटे हैं।

प्रधान ने कहा कि तकनीकी और पेमेंट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। इनमें इस पूरी तकनीक, कोडिंग और सॉफ्टवेयर की जांच के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास के निदेशकों और उनके विशेषज्ञ प्रोफेसरों की टीम को तैनात किया गया है। इसके अलावा, छात्रों को फीस भुगतान में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए वित्त मंत्रालय के सहयोग से देश के 4 बड़े सरकारी बैंकों- एसबीआई, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे को सीबीएसई पोर्टल के साथ एकीकृत कर दिया गया है। उन्होंने आंकड़ों को सामने रखते हुए व्यवस्था की व्यापकता को समझाया कि परीक्षा में बैठे लगभग 17 लाख छात्रों की कुल 98 लाख कॉपियां थीं। प्रति कॉपी औसतन 40 पृष्ठों के हिसाब से लगभग 40 करोड़ पेज को स्कैन किया गया। अब तक लगभग 4 लाख छात्र अपनी करीब 11 लाख स्कैन की गई कॉपियां डाउनलोड कर चुके हैं और उनकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक भी छात्र की कॉपी की जांच को अनसुलझा नहीं छोड़ा जाएगा। मंत्री ने कहा कि ओएसएम का उद्देश्य छात्रों को पारदर्शिता के साथ उनकी उत्तर-पुस्तिका सौंपनी है ताकि वे अपने अंक देख सकें और अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा डिजिटल मूल्यांकन के कॉन्ट्रैक्ट आवंटन में नियमों को दरकिनार करने के आरोपों और न्यायिक जांच की मांग पर शिक्षा मंत्री ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी निरंतर चुनाव हारने के कारण निराश हो चुके हैं। उन्होंने पहले राफेल, ईवीएम तथा डिजिटल इंडिया का विरोध किया और वे भारत की वैज्ञानिक प्रगति के साथ नहीं हैं।

## उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा ने दिया त्यागपत्र

### विधि एवं न्याय मंत्रालय की अधिसूचना और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने इसकी पुष्टि की

**एजेंसी**

**नैनीताल।** उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आलोक कुमार वर्मा ने निजी कारणों से अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय की अधिसूचना और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने इसकी पुष्टि की है।

वहीं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आशीष नैथानी भी आगामी 3 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके सम्मान में उच्च न्यायालय के फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित किया जाएगा। इस तरह उत्तराखंड उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के दो पद रिक्त होने जा रहे हैं विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अपनी 27 मई को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) के परंतुक (क) के अंतर्गत 30 अप्रैल 2026 से प्रभावी अपना त्यागपत्र दे दिया है। बताया गया है कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से मार्च माह में ही त्यागपत्र सौंप दिया था। वह इसी वर्ष अगस्त के प्रथम सप्ताह में सेवानिवृत्त होने वाले थे।

## हवाओं के नरम रुख से गर्मी से मामूली राहत

### ●कई जिलों में आंधी—बारिश व ओलावृष्टि की चेतावनी

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में मौसम के बदले रुख से भीषण गर्मी और हीट वेव से परेशान लोगों को गुरुवार से राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में अगले 24 घंटों में तेज आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और गरज-चमक बज्रपात होने संभावना जताई है। ऐसा होने से तापमान गिरेगा और गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि आज बुंदेलखंड व प्रयागराज में लू और तपिश बनी हुई है।

मौसम विभाग ने आगरा, मेरठ, कानपुर, हमीरपुर, बांदा समेत कई जिलों में तेज हवाएं चलने, बिजली चमकने और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। भीषण गर्मी और तपिश से झेल रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद दिख रही है। गुरुवार को लखनऊ समेत कई जिलों में तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है और हवाओं के रुख में भी नरमी दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार से 31 मई के बीच तेज आंधी और बारिश की संभावना नजर आ रही है। इतना ही नहीं प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। ऐसा होने से प्रदेश के तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी और इस बदलाव से एक सप्ताह तक लू और झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिल जाएगी। फिलहाल बृहस्पतिवार को बुंदेलखंड व प्रयागराज में लू और तपिश महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र के अनुसार पाश्चिमी उत्तर प्रदेश में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल सकती है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की तेज हवाओं का अनुमान है।

## गुजरात में इबोला संदिग्ध की रिपोर्ट नेगेटिव

### सरकार की अफवाहों से बचने की अपील

**एजेंसी**

**अहमदाबाद ।** गुजरात के स्वास्थ्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रफुल पंशेरिया ने गुरुवार को बताया कि कांगो से आए एक संदिग्ध इबोला वायरस संक्रमित मरीज की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट से दूर रहने की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने लिखा, 'कांगो से आए इबोला वायरस के एक संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार के डर या घबराहट में न पड़ें, अफवाहों से दूर रहें और केवल स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।' एक अन्य पोस्ट में प्रफुल्ल पंशेरिया ने लिखा, 'गुजरात सरकार और स्वास्थ्य विभाग जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क, सुसज्जित और प्रतिबद्ध हैं।' इससे पहले, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अफ्रीका से हाल ही में लौटे एक व्यवसायी सहित चार लोगों को क्वारंटाइन किया था। गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। मंत्री के अनुसार, 37 वर्षीय व्यवसायी अमोरी लोकोला लगभग पांच से सात दिन पहले मुंबई पहुंचे और फिर वडोदरा चले गए। वडोदरा पहुंचने पर व्यवसायी को बुखार आने पर बैंकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग को मिली सूचना के आधार पर उन्हें अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इबोला के लिए एक अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है।

## राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया

**एजेंसी**

**गंगटोक।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गंगटोक में गुरुवार को आयोजित एक समारोह में सिक्किम पुलिस को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस से जुड़े सभी भूतपूर्व और वर्तमान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 1897 में अपनी स्थापना के बाद से ही इस बल ने सिक्किम में शांति, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन की गहरी छाप है। औपनिवेशिक अधीनता के दौर में पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण रखना और सत्ताधारी शासन के आदेशों को सख्ती से लागू करना था। इसी कारण पुलिस व्यवस्था में औपनिवेशिक मानसिकता घर कर गई। इस मानसिकता के तहत पुलिस में जनता के साथ सहयोग करने के बजाय उन पर शासन करने का रवैया हावी था।

## मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का निधन

### ●डिमेंशिया से जूझते हुए 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

**एजेंसी**

**मुंबई ।** उर्दू अदब व गजल की दुनिया के मशहूर शायर और पद्मश्री सम्मानित साहित्यकार डॉ. बशीर बद्र का गुरुवार को भोपाल में निधन हो गया। 91 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आते ही शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर लोग उनके मशहूर शेर साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, डॉ. बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनकी याददाश्त जा चुकी थी। परिवार के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से वे लोगों को पहचान भी नहीं पा रहे थे। उम्र से जुड़ी दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी लगातार बढ़ती जा रही थीं, जिसके चलते गुरुवार को उनका निधन हो गया। परिवार की ओर से अभी अंतिम संस्कार के समय को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि उनका अंतिम संस्कार गुरुवार शाम को भोपाल में ही किया जा सकता है।

डॉ. बशीर बद्र का साहित्यिक सफर बेहद शानदार और प्रेरणादायक रहा। उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में हुआ था। उनका असली नाम सैयद मोहम्मद बद्र था। बचपन से ही उन्हें शेर-ओ-शायरी का शौक था। कहा जाता है कि उन्होंने महज सात साल की उम्र से शायरी लिखना शुरू कर दिया था।

## महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस की पीएम मोदी से मुलाकात

### ●इन मुद्दों पर हुई चर्चा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। इसके साथ ही दोनों नेताओं की फोटो भी शेयर की है। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।'' वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करने के बाद बताया महाराष्ट्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन मिला। इसके साथ ही महाराष्ट्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''आज नई दिल्ली में हमारे नेता और राष्ट्र के प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। महाराष्ट्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मैंने उन्हें महाराष्ट्र के कई कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।'' उन्होंने आगे लिखा, ''हमारे प्रधानमंत्री जी से मिलना हमेशा ही प्रेरणादायक होता है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आपका बहुत-बहुत आभार, माननीय प्रधानमंत्री जी।''

हालांकि, एक तरफ जहां सीएम फडणवीस इस मुलाकात में महाराष्ट्र के विकास कार्यों और प्रोजेक्ट्स पर चर्चा बता रहे हैं। वहीं, महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसानों और सहकारी चीनी उद्योग को लेकर भी केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत की बात कही जा रही है।इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

## स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद-गौ-रक्षा के लिए वोट करे, पशु कहने वाली सरकार हटाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनता से गाय को पशु कहने वाली सरकारों को हटाकर माता कहने वाली सरकार लाने का आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ-रक्षा की बातें सिर्फ मंचों और वक्तव्यों तक सीमित हैं, जबकि धरातल पर गायों की स्थिति दयनीय है। आश्रय स्थलों में गायों की हालत खराब है और गौ-तस्करों पर अंकुश नहीं लग पाया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन्हें भाजपा से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे गायों के मुद्दे पर सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा, हमारा वोट चाहिए, तब गाय को माता कहकर आना पड़ेगा। पहले बांदा में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को गौ-रक्षा में फेल बताया था। उनका आरोप था कि योगी, बुलडोजर का इस्तेमाल कर शासन कर रहे हैं, जबकि उनसे गौ-रक्षा पर सबसे अधिक उम्मीदें थीं। जनसंख्या वृद्धि पर उन्होंने नेताओं को अक्षम बताकर कहा कि वे काम ढूंढने की बजाय इस भार मान रहे हैं, जबकि पर्याप्त काम होने पर जनसंख्या संपत्ति हो सकती है।

## मधुबनी स्टेशन पर एक्सप्रेस कोच में भीषण आग, कोई हताहत नहीं, जांच के आदेश

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जयनगर-उधना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भीषण आग लग गई, जिससे वह डिब्बा पूरी तरह जल गया। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जिस कोच में आग लगी, वह मरम्मत के काम के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ा था। अचानक उसमें से घना काला धुआं और लपटें निकलने लगीं, और आग तेजी से पूरे जनरल डिब्बे में फैल गई। घटना के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था, क्योंकि यह पिछले दो दिनों से स्टेशन पर मरम्मत के लिए खड़ा था। इस वजह से किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने आग देखते ही तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और उसे अन्य कोचों तक फैलने से रोका। इस घटना से स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही, समस्तीपुर रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा विशेष ट्रेन से मधुबनी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। डीआरएम ने आग लगने के सही कारण की जांच करने और सुरक्षा उपायों में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों को शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई को भी ससाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन के एक जनरल कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी।

## कनाडा में गुजराती छात्रा की निर्मम हत्या : नायग्रा फॉल्स में 23 वर्षीय विधि मेघा पर चाकू से हमला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर कनाडा गई एक और भारतीय बेटी की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। गुजरात के आनंद जिले के बोरसद की रहने वाली 23 वर्षीय विधि मेघा की कनाडा के नायग्रा फॉल्स इलाके में अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, विधि पिछले चार वर्षों से कनाडा में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी कर रही थी। बताया जा रहा है कि 15 मई को वह अपने निवास स्थान से निकली थी, जिसके बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बाद में उसकी हत्या की खबर सामने आने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना के बाद कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय में भी आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने छात्राओं और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। फिलहाल कनाडाई पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। वहीं, विधि के परिजनों ने भारत सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि उसकी पार्थिव देह को जल्द से जल्द भारत लाने में सहायता की जाए, ताकि वतन में अंतिम संस्कार किया जा सके। एक होनहार और सपनों से भरी युवा बेटी की असमय मौत से बोरसद में मातम पसरा हुआ है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में गहरा शोक व्याप्त है।

## भड़काऊ टिप्पणी के मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शिकायत

**-गुजरातियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप**

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के भवानीपुर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुजराती समुदाय को लेकर कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी। यह शिकायत अर्णब कांति दास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि टीएमसी सांसद का यह बयान देश की राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक है। दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि बांग्ला विरोधी गुजराती गैंग और उनके चमचे मिलकर अगर दस जनम भी ले लें, तब भी उनके डायमंड हार्बर मॉडल का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्होंने पूरी भारत सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर हिम्मत है तो फलता से चुनाव लड़कर दिखाओ। इस बयान पर आपत्ति जताते हुए शिकायतकर्ता ने तर्क दिया है कि यदि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते और तृणमूल कांग्रेस जीत जाती, तो इस सोशल मीडिया पोस्ट से उग्र होकर पार्टी कार्यकर्ता बंगाल में रह रहे गुजराती समुदाय के खिलाफ भारी हिंसा कर सकते थे। शिकायत में कहा गया है कि गैंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर सांसद ने भारत की विविधता को नुकसान पहुंचाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, राजनीतिक मुकाबला सिर्फ राजनीति तक ही सीमित रहना चाहिए, लेकिन एक ऐसी संवैधानिक संस्था को बीच में घसीटना जिसे देश के राष्ट्रपति ने चुना है और विरोधी पार्टी के खिलाफ जहर उगलने के बहाने सीधे देश तथा सरकार को चुनौती दे देना, संविधान के खिलाफ खुले विद्रोह जैसा है।

# कई राज्यों में 100 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधी, मूसला धार होगी बारिश

**दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रौद्र रूप**

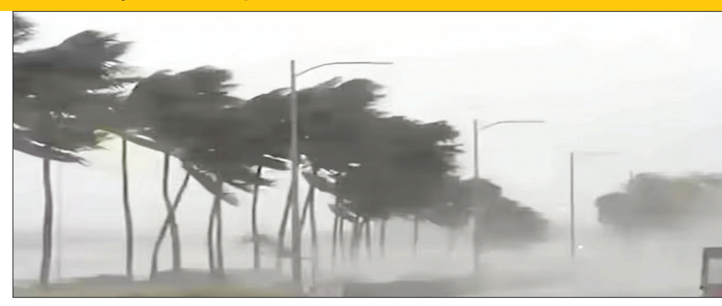

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 48 घंटों के भीतर देश के कई हिस्सों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की विनाशकारी रफ्तार से आंधी-तूफान आने की आशंका है। इसके साथ ही कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और भारी ओलावृष्टि को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 2-3 दिनों में इसके अरब सागर, लक्षद्वीप और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दस्तक देने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन चुकी हैं।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में 28 मई को लू का हल्का असर रहेगा, लेकिन 29 मई को मौसम रौद्र रूप अख्तियार कर सकता है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को 80 से 100 किमी/घंटे की रफ्तार से विनाशकारी तूफान, भारी बारिश और ओलावृष्टि की प्रबल आशंका है। उत्तर प्रदेश में 28 मई को धूल भरी आंधी और लू चलेगी, जिसके बाद 29 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 80-100 किमी/घंटे और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 60-80 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान यूपी के कई हिस्सों में ओले गिरने और पश्चिमी यूपी में भारी बारिश की आशंका है।

### बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश

बिहार में प्री-मॉनसून गतिविधियां बेहद उग्र हो गई हैं। राज्य में 28 और 29 मई को भारी बारिश के साथ 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिससे कच्चे मकानों और पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। झारखंड में भी 28 मई से 1 जून तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा, जहां 28 से 30 मई के दौरान हवा की रफ्तार 50 से 70 किमी/घंटे रह सकती है। उधर पश्चिम बंगाल में 28 मई को 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से भयंकर तूफान और भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि सिक्किम और हिमालय से सटे इलाकों में भी अगले दो दिन रुक-रुक कर बारिश होगी।

### पहाड़ी राज्यों और मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ का हाल

मैदानी इलाकों के साथ-साथ पहाड़ों पर भी मौसम तेजी से बदलेगा। जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 28 और 29 मई को 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आ सकता है, जबकि 29 मई को उत्तराखंड में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी 28 से 30 मई के बीच बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बात करें तो 28 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 29 और 30 मई को पूरे मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि और 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी 28 मई को लू के बाद 29 मई को ओले गिरने और अगले तीन दिनों तक तेज अंधड़ के साथ बारिश होने के आसार हैं।

### तापमान में आएगी भारी गिरावट

इस देशव्यापी आंधी और बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश तक के लोगों को उमस भरी तपती गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। 28 से 30 मई के बीच इन क्षेत्रों के अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में भी 2 जून तक तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 31 मई से तापमान में एक बार फिर 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

## बढ़ती महंगाई पर कुमारी सैलजा का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर बढ़ते टैक्स और सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण आम आदमी, विशेषकर मध्यम वर्ग का जीना मुश्किल हुआ है। कांग्रेस नेत्री सैलजा ने कहा कि आज चाय, चीनी, चावल, दाल, कपड़े और चप्पलें तक महंगी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ी है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि जो परिवार पहले 35,000 रुपये में घर चलाता था, अब 40,000 रुपये में भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खाद्य तेल, दालें, चायपत्ती और गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा कीमतों ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार केवल टैक्स वसूली और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में व्यस्त है, जनता की परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं। महंगाई ने न केवल घरेलू बजट बिगाड़ा है, बल्कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजनों का खर्च भी आम परिवारों की पहुंच से बाहर कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर अत्यधिक टैक्स में तत्काल कमी करने, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर सख्त नियंत्रण लगाने तथा आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी ने भरोसा दिलाया कि वह हमेशा आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग की आवाज उठाती रहेगी और उनके हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

## सीएम सम्राट चौधरी का अजीबो-गरीब स्केच वायरल, मजनू भाई की याद दिलाई

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हाल ही में एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह चित्र तब चर्चा का विषय बन गया, जब पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में से एक में संजीव, जो पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी हैं, मुख्यमंत्री को यह चित्र भेंट करते हुए दिखाई दे रहे थे।

जैसे ही तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत स्केच की तुलना बॉलीवुड फिल्म वेलकम के प्रसिद्ध किरदार मजनू भाई की बनाई गई अजीबो-गरीब पेंटिंग से करनी शुरू कर दी। लोगों ने पाया कि यह चित्र मुख्यमंत्री चौधरी से जरा भी मिलता-जुलता नहीं था, जिसके चलते इसकी कलात्मकता पर सवाल उठने लगे। भारतीय युवा कांग्रेस ने भी इस पर तंज कसते हुए पूछा, अंदाजा लगाओ कौन?

एक यूजर ने लिखा, यह पेंटिंग तब बिल्कुल नहीं कही जा सकती। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी के सहज स्वभाव की सराहना की कि उन्होंने इस विचित्र कलाकृति को भी इतनी विनम्रता से स्वीकार कर लिया। हालांकि, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला बढ़ने के बाद, बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से स्केच वाली विशेष तस्वीर हटा दी और कमेंट सेक्शन को भी बंद किया। यह घटना दर्शाती है कि कैसे एक सामान्य सी भेंट भी डिजिटल युग में रातोंरात सुर्खियां बटोर सकती है और व्यापक जनचर्चा का विषय बन सकती है।

# सीएम की कुर्सी पर बैठते ही कावेरी जल से बढ़ी विजय की टेंशन

**-पानी को लेकर तमिलनाडु-कर्नाटक में एक सदी से चल रहा है विवाद**

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत हासिल कर सीएम की कुर्सी पर बैठे सी जोसेफ विजय लगातार चर्चा में हैं। उनके सामने राज्य से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियां सिर उठाए खड़ी है। इनमें सबसे अहम है नदी का पानी और उस पर बांध का प्रोजेक्ट है, जो विजय के सब्र की पहली अग्निपरीक्षा ले रहा है। नदी का नाम है कावेरी, जिसमें बहने वाला पानी तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दो बड़े राज्यों के बीच एक सदी से भी ज्यादा समय से विवाद की वजह बना है।

विजय के सीएम बनने के साथ ही यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। कर्नाटक सरकार की तरफ से मेकेदातु बांध बनाने के ऐलान ने नदी के विवाद को फिर से गहरा दिया। कावेरी नदी को दक्षिण भारत की जीवनरेखा माना जाता है। इसके पानी का बंटवारा केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक संवेदनशील, राजनीतिक और भावनात्मक जंग बन चुका है। यह विवाद हर साल गहराता जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया सालों में यह विवाद की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरा है मेकेदातु बांध प्रोजेक्ट। तमिलनाडु की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिव्यू याचिका खारिज हो गई है। विजय पर राजनीतिक दबाव भी बनने लगा है। कावेरी नदी मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में बहती है। यह कर्नाटक के कोडागु जिले में वेस्टर्न घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ियों में स्थित तालकावेरी से निकलती है। यह कर्नाटक में इसका ओरिजिन पॉइंट केरल की सीमा के पास है। फिर यह तमिलनाडु के बड़े हिस्से को कवर करते हुए केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से गुजरते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इस नदी का करीब 54 फीसदी बेसिन क्षेत्र तमिलनाडु में और करीब 41 फीसदी कर्नाटक में आता है।

इस नदी के पानी को लेकर विवाद की जड़ें आज से एक सदी से भी ज्यादा पुरानी हैं। साल 1892 और 1924 में समझौते हो चुके हैं। ब्रिटिश काल में तत्कालीन मैसूर रियासत और मद्रास प्रेसिडेंसी के बीच पानी के बंटवारे को लेकर दो समझौते हुए थे। तमिलनाडु का तर्क है कि इन समझौतों के तहत पानी पर उसका ऐतिहासिक अधिकार है। वहीं कर्नाटक का रुख अलग है। आजादी के बाद कर्नाटक ने इन समझौतों को पुराना और औपनिवेशिक बताते हुए खारिज कर दिया। कर्नाटक का कहना है कि नदी का उद्गम स्थल उसके यहां है, इसलिए अपनी खेती और आबादी की जरूरतों को पूरा करने का पहला हक उसका है।

सुप्रीम कोर्ट के फॉर्मूले के मुताबिक जब मानसून सामान्य रहता है, तब पानी का संकट नहीं होता, लेकिन समस्या तब खड़ी होती है जब कम बारिश होती है। कर्नाटक के जलाशयों में पानी जब कम होता है तो वह तमिलनाडु को उसके हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जताता है। दूसरी ओर तमिलनाडु की 'कुरुवई' और 'थलाडी' यानी धान की फसलें पूरी तरह से कावेरी के पानी पर निर्भर हैं। तमिलनाडु पानी ना मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, जिससे दोनों राज्यों में विरोध प्रदर्शन और तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है।

मेकेदातु का शाब्दिक अर्थ होता है- बकरी की छलांग। यह कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक गहरी खाई जैसा है, जहां कावेरी नदी अर्कावती नदी के साथ मिलती है। कर्नाटक सरकार यहां करीब 9000 करोड़ रुपए की लागत से एक 'संतुलन जलाशय' बनाना चाहती है, जिसकी क्षमता करीब 67 टीएमसी पानी स्टोर करने की होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बेंगलुरु शहर और उसके आसपास के जिलों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना है। इसके अलावा यहां से 400 मेगावाट जलविद्युत पैदा करने की भी योजना है।

## ममता की योजना में निकला महाघोटाला, 30 लाख फर्जी मिले लाभार्थी

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर एक बहुत बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। राज्य सरकार की आंतरिक पड़ताल और समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है कि करीब 30 लाख अयोग्य और फर्जी लोग इस योजना के तहत हर महीने मिलने वाले डायरेक्ट कैश बेनिफिट (डीबीटी) का गलत तरीके से फायदा उठा रहे थे। अब तक राज्य की करीब 2.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में इस योजना के जरिए सीधे नकद राशि ट्रांसफर की जा रही थी, लेकिन अब इस पूरी सूची को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस बड़े प्रशासनिक कदम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नबन्ना में अन्नपूर्णा योजना के लिए नया आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का शुरुआती इरादा लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों की सूची को पूरी तरह सत्यापित करना और फिर महिलाओं को नई अन्नपूर्णा योजना के तहत वित्तीय लाभ देना शुरू करना था। लेकिन इस प्रक्रिया के बीच सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लाखों अयोग्य महिलाओं के नाम इस सूची में जुड़े हुए हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास हो सकता है, जिसकी पूरी और सटीक तस्वीर लाभार्थियों द्वारा नए फॉर्म भरकर जमा करने के बाद साफ हो जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य में लाभार्थियों की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक डोर-टू-डोर (घर-घर जाकर) सर्वे शुरू किया गया था। इस सर्वे के जो शुरुआती नतीजे सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ उठा रहे थे जो या तो राज्य से बाहर जा चुके हैं, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिनके नाम डुप्लीकेट वोटर के रूप में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हमेशा के लिए हटा दिए गए थे। इसके अलावा, इस सूची में कई ऐसे नाम भी शामिल पाए गए जो अस्तित्व में ही नहीं हैं या जो गैर-भारतीय नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि यह सब पिछली कमियों और आवेदकों के दस्तावेजों के सही तरीके से सत्यापन (वेरिफिकेशन) न होने के कारण हुआ। इस वित्तीय नुकसान को रोकने और वास्तविक लाभार्थियों को हक दिलाने के लिए अब सरकार ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत लाभार्थियों को 12 पन्नों का एक नया फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरना होगा। इस फॉर्म में परिवार की पूरी जानकारी, राशन कार्ड, गाड़ी, जमीन, मकान जैसी संपत्तियों का ब्योरा और परिवार में किसी सदस्य के सरकारी नौकरी में होने या न होने की स्पष्ट घोषणा करनी होगी। जो लोग ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कार्यालय जाने में असमर्थ हैं, उनके लिए प्रशासन अगले एक महीने तक घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की विशेष सेवा शुरू करेगा। फॉर्म भरने और जमा करने की यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने तक चलेगी। सरकार ने यह साफ किया है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, लेकिन उन्होंने ट्रिब्यूनल में अपील की है या सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, उनका लाभ नहीं रोका जाएगा। साथ ही, जब तक सभी योग्य लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में पूरी तरह स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता, तब तक लक्ष्मी भंडार योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी।

# मुस्लिम समुदाय ने ईद पर गाय को राष्ट्रमाता बनाने की मांग

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। नमाज अदा करने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखी, जिसमें गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग प्रमुख रही।

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद देकर देशवासियों से आपसी एकता को इतना मजबूत करने का आह्वान किया ताकि कोई भी सांप्रदायिक ताकत तोड़ न सके। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए यदि कोई कुर्बानी देनी पड़ी, तब वे उसके लिए तैयार हैं। सपा नेता मेहरोत्रा ने

मोदी सरकार से गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की और भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल मुद्दे खड़े करने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा घोषित धर्मयुद्ध का समर्थन करने की भी बात कही।

वहीं, सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भी गाय को राष्ट्रीय दर्जा देने की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने पहले ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की बात कही है और उन्हें किसी के बयान (अविमुक्तेश्वरानंद) में पड़ने की जरूरत नहीं है। ईदगाह में नमाज के बाद देश में अमन-शांति, भीषण गर्मी से निजात और जनगणना में सक्रिय भागीदारी के लिए भी दुआ मांगी गई। मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली ने बताया कि बड़ी संख्या में मुसलमानों ने अच्छे माहौल में नमाज अदा की। उन्होंने जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौलाना ने स्पष्ट किया कि कुर्बानी केवल उन्हीं जानवरों की की जाए जिन पर कोई कानूनी बंदिश नहीं है, ताकि त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।

# स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत का डंका: अमेरिका-चीन के क्लब में शामिल

**-लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना'**

**- स्वदेशी हाइड्रोजन बैलून तकनीक से दुनिया में बढ़ा दबदबा**

**- सस्ते इंटरनेट और सटीक आपदा प्रबंधन का नया दौर**

**- 25 किमी ऊंचाई तक पहुंचा 'विस्टा'**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने अंतरिक्ष और नियर स्पेस तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निजी अंतरिक्ष कंपनी रेड बैलून एरोस्पेस ने देश का पहला स्वदेशी सुपर-प्रेशर स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान और चीन जैसे चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास स्वदेशी हाइड्रोजन स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून क्षमता मौजूद है। वर्ष 2025 में परिचालन शुरू करने वाली रेड बैलून एरोस्पेस ने महज आठ महीनों में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान को अंजाम देकर तेजी से विकसित होने वाली वैश्विक परियोजनाओं में जगह बना ली है। कंपनी का 'विस्टा' सुपर-प्रेशर प्लेटफॉर्म विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम से लॉन्च किया गया, जिसने पृथ्वी से करीब 25 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर कई तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। इस मिशन में सात राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के पेलोड शामिल थे। इनमें जैविक प्रयोग प्रणाली, प्रणोदन तकनीक, ऑनबोर्ड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म, पृथ्वी अवलोकन सेंसर और नेविगेशन सत्यापन प्रणाली जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण किया गया। सभी प्रयोग सफल रहने से अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मानकों के अनुरूप भारत की तकनीकी क्षमता साबित हुई है। 'मिशन साना' दूरसंचार, आपदा प्रबंधन, पृथ्वी अवलोकन और निगरानी के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। विस्टा प्लेटफॉर्म ऊंचाई पर एक टावर की तरह काम करता है, जिससे उन इलाकों में भी नेटवर्क और निगरानी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं, जहां सामान्य संचार व्यवस्था कमजोर है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ सीवीएस किरण ने कहा कि विस्टा उनकी मुख्य प्लेटफॉर्म तकनीक है और आने वाले महीनों में इसकी क्षमताओं का और विस्तार किया जाएगा। वहीं, सीओओ सिरीश पल्लिकोंडा ने बताया कि एक ही मिशन के जरिए कई संगठनों और उद्योगों को सेवाएं देने से लागत कम होगी और नियर स्पेस तक पहुंच आसान बनेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, 20 से 50 किलोमीटर के बीच का समताप मंडल अब तक कम इस्तेमाल किया गया क्षेत्र रहा है। ऐसे

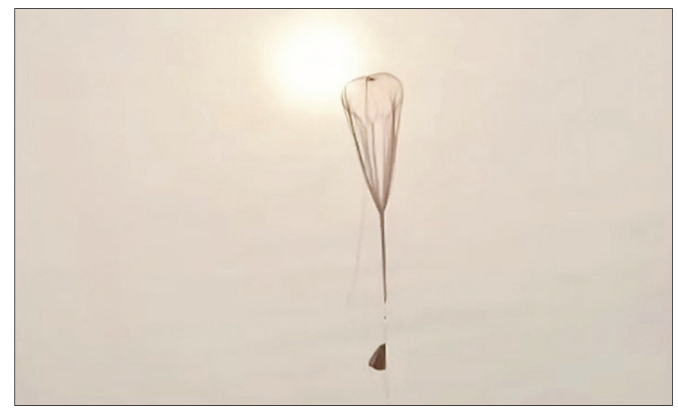

प्लेटफॉर्म उपग्रहों की तुलना में कम लागत में उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग, तेज तैनाती और आपदा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम हैं।

# 13 साल की साली को जीजा ने बनाया हवस का शिकार, गर्भवती होने पर सामने आई हैवान की हकीकत

नई दिल्ली। बाहरी जिला के नांगलोई इलाके में 13 साल की किशोरी के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। इसका खुलासा तब हुआ जब किशोरी गर्भवती हो गई। किशोरी ने अपने बहनोई पर यौन उत्पीड़न करने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी बहनोई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता अपने परिजनों और भाई बहन के साथ नांगलोई इलाके में रहती है। वह सरकारी स्कूल की सातवीं कक्षा में पढ़ती है। नांगलोई थाने में दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने बताया कि उनके घर से दो तीन घर छोड़कर उनके फूफा का परिवार रहता है। परिवार में फूफा-फूफी और उनकी चार बेटियां और एक बेटी का पति है। पीड़िता ने बताया कि वह अकसर उनके घर बहनों के साथ खेलने जाती थी। 15 दिसंबर की शाम वह उनके घर पर खेलने गई। उसकी दीदी ने घर पर खेलने की बात कहकर फूफी के साथ बाजार चली गई। फूफा काम पर गए हुए थे। घर में बहनोई अकेले थे। आरोप है कि उनके जाने के बाद बहनोई ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। साथ ही किसी को कुछ बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। इससे वह काफी डर गई और उसने किसी को कुछ नहीं बताया। 19 मई को उसकी तबीयत खराब होने पर उसकी मां उसे पीतमपुरा स्थित महावीर अस्पताल लेकर गई। जहां जांच पड़ताल करने के बाद डॉक्टरों ने बताया कि वह गर्भवती है। उसके बाद अस्पताल से घटना की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने पीड़िता की काउंसलिंग करवाई। जिसमें पीड़िता ने सारी बात बताई। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करने के बाद पीड़िता के आरोपी बहनोई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

## गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास किशोर की हत्या मामले में युवक दोषी

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने 2023 में गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास दो छात्र समूहों के बीच झगड़े में 12वीं कक्षा के छात्र मोहन की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में आरोपी शिवा चौधरी को दोषी करार दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनुज अग्रवाल ने 26 मई को दिए फैसले में कहा कि एकमात्र विश्वसनीय प्रत्यक्षदर्शी की गवाही पर्याप्त है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र प्रभाव से स्पष्ट रूप से साबित होता है कि आरोपी शिवा चौधरी ने ही मृतक मोहन को घातक चाकू का वार किया था और यह कार्य साझा इरादे के साथ किया गया था। 30 जनवरी 2023 को मोहन अपने दोस्तों के साथ स्कूल से लौट रहे थे। इसी दौरान पहले हुए झगड़े को लेकर आरोपी शिवा चौधरी और उसके साथियों ने उन्हें गोविंदपुरी मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस बूथ के निकट रोका। विवाद के दौरान शिवा चौधरी को नाबालिग सह-आरोपी ने चाकू थमाया, जिसके बाद उसने मोहन की छाती में चाकू घोंप दिया। न्यायाधीश ने मुख्य प्रत्यक्षदर्शी सुमित की गवाही पर भरोसा जताया। अदालत ने कहा कि सुमित की गवाही विस्तृत, सुसंगत और सुस्पष्ट थी।

# मंडियों में घटी सब्जियों-फलों की आवक, दूसरे राज्यों से आपूर्ति प्रभावित, दाम बढ़े

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली। राजधानी की प्रमुख मंडियों-आजादपुर, गाजीपुर और ओखला में ट्रांसपोर्ट हड़ताल का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस के आह्वान पर करीब 68 परिवहन संगठनों ने व्यावसायिक वाहनों पर ग्रीन टैक्स यानी पर्यावरण मुआवजा शुल्क में बढ़ोतरी के विरोध में 21 से 23 मई तक चक्का जाम का एलान किया है। इसके चलते दूसरे राज्यों और विदेशों से आने वाली सब्जियों और फलों की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। आजादपुर मंडी के व्यापारी जय किशन ने बताया कि हड़ताल के कारण बड़े मालवाहक वाहन दिल्ली की मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे हिमाचल प्रदेश से आने वाली फूलगोभी, बंगलूरू की विभिन्न सब्जियां, कुंडली क्षेत्र की अरबी और दक्षिण अफ्रीका से आयातित होने वाले सेब की आवक में भारी गिरावट दर्ज की गई है। कई ट्रक रास्तों में फंसे हुए हैं जिससे व्यापारियों के साथ ही ग्राहकों की चिंता भी बढ़ गई है। आजादपुर मंडी के ही अन्य व्यापारी संजय आनंद के अनुसार,

सामान्य दिनों में मंडियों में प्रतिदिन हजारों टन फल और सब्जियां पहुंचती हैं, लेकिन परिवहन व्यवस्था बाधित होने से बाजार में माल की उपलब्धता कम हो गई है। इसका सीधा असर कीमतों पर दिखाई देने लगा है। थोक बाजार में आपूर्ति घटने से खुदरा बाजार में भी सब्जियों और फलों के दाम बढ़ने लगे हैं। परिवहन संगठनों की मुख्य नाराजगी ~ अप्रैल से लागू नई ग्रीन टैक्स व्यवस्था को लेकर है। दिल्ली में प्रवेश करने वाले हल्के व्यावसायिक वाहनों और दो एक्सल वाले ट्रकों पर शुल्क 1,400 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति चक्कर कर दिया गया है। वहीं तीन और चार एक्सल वाले बड़े ट्रकों के लिए यह शुल्क 2,600 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति चक्कर कर दिया गया है। इसके अलावा हर वर्ष इन दरों में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रावधान भी रखा गया है। व्यापारियों के अनुसार, स्थानीय सब्जियों की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। टमाटर, लौकी, भिंडी, बैंगन, खीरा, पालक और हरी मिर्च जैसी सब्जियां छोटे वाहनों के जरिए मंडियों तक पहुंच रही हैं। व्यापारी बताते हैं कि छोटे वाहन वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से आने वाली उपज पर अभी ज्यादा असर नहीं पड़ा है। ओखला मंडी के कारोबारी असुद्दीन का कहना है कि यदि हड़ताल लंबी चली तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लगातार घटती आपूर्ति से कीमतों में और उछाल आ सकता है। दिल्ली-एनसीआर में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के नेतृत्व में चल रही तीन दिवसीय परिवहन हड़ताल का असर दूसरे दिन शुक्रवार को भी साफ दिखाई दिया। ट्रकों की आवाजाही लगभग ठप रही जिससे राजधानी की प्रमुख मंडियों में फल-सब्जियों और अन्य जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। परिवहन संगठनों का कहना है कि यह आंदोलन सरकार और सीएक्यूएम की नीतियों के विरोध में किया जा रहा है। संयुक्त मोर्चा यूएफटीए और एआईएमटीसी के अनुसार, सामान्य दिनों में करीब 70 हजार ट्रक विभिन्न सीमाओं से रोज दिल्ली में प्रवेश करते हैं, लेकिन हड़ताल के दूसरे दिन राजधानी में बहुत कम ट्रक पहुंचे। व्यापारियों ने आशंका जताई है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की मध्यस्थता से सीएक्यूएम के साथ बातचीत की संभावना जताई गई है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन देशभर में अनिश्चितकालीन चक्का जाम का रूप ले सकता है।

# जनगणना को लेकर खूनी बवाल, पड़ोसी ने प्रॉपर्टी डीलर को मारी गोली; आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में जलालपुर रोड स्थित आदर्श कॉलोनी में शनिवार को जनगणना टीम को घर ले जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पड़ोसी ने घर में घुसकर तमंचे से गोली मारकर प्रॉपर्टी डीलर वीरेंद्र त्यागी को घायल कर दिया। गंभीर हालत में उन्हें मोदीनगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जलालपुर रोड स्थित आदर्श निवासी वीरेंद्र त्यागी ने बताया कि शनिवार सुबह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान जनगणना कर्मचारी उनके मकान पर पहुंचे और परिवार का विवरण दर्ज किया। कर्मचारियों ने कॉलोनी के अन्य घरों की गणना के लिए वीरेंद्र से सहयोग मांगा। बताया गया कि सुबह करीब 9:30 बजे वह जनगणना टीम को लेकर पड़ोस में रहने वाले रामपाल चौधरी के घर पहुंचे। आरोप है कि जनगणना टीम को अपने घर आता देख रामपाल चौधरी भड़क गया। उसने गाली-गलौज शुरू कर दी और डंडा लेकर कर्मचारियों व वीरेंद्र त्यागी के पीछे दौड़ पड़ा। विवाद बढ़ता देख जनगणना कर्मचारियों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से निकल गया। मामला यहीं शांत नहीं हुआ। आरोप है कि करीब 10 बजे रामपाल चौधरी बाइक से दोबारा वीरेंद्र त्यागी के घर पहुंचा। उसने दरवाजा खटखटाया और जैसे ही वीरेंद्र ने दरवाजा खोला, आरोपी ने तमंचे से उनके सीने पर गोली दाग दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े और घर में अफरा-तफरी मच गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। घायल को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए उन्हें किसी दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्रॉपर्टी डीलर के घर में। उनकी पत्नी पूनम, बेटा चार साल का बेटा केशव है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि घायल के भाई ज्ञानेंद्र कुमार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। बताया कि आरोपी रामपाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

## दिल्ली के मीत नगर चौराहे पर बनेगा अंडरपास

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दिल्ली के रोड नंबर 63 मीत नगर गोलचक्कर पर रोड अंडरब्रिज (अंडरपास) का निर्माण करेगा। लगातार बढ़ती आबादी के साथ पिछले 20 वर्षों से इस अंडरपास पर गोलचक्कर पर अंडरपास की मांग की जा रही है। तीन वर्ष पहले भी इसका टेंडर हुआ था, लेकिन मामला अटक गया था। अब पहले चरण में अंडरपास निर्माण के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए ई-टेंडर जारी किया है। माना जा रहा कि इस प्रक्रिया में तीन माह लग जाएंगे, इसके बाद इस गोलचक्कर पर अंडरपास का निर्माण शुरू हो जाएगा। दिल्ली के गोकलपुर विधानसभा स्थित रोड नंबर-63 में मीत नगर गोलचक्कर पर लंबे समय से अंडरपास बनाने की मांग चल रही है। गोलचक्कर पर बड़ी संख्या में वाहन निकलते हैं। पीक ऑवर्स में कई बार तो दोनों ओर से वाहन चालक घंटों जाम में फसे रहते हैं। लगभग तीन वर्ष पहले 2023 में इस गोलचक्कर पर अंडरपास बनवाने की कवायद शुरू हुई थी, लेकिन कुछ कारणों से मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब दोबारा से समस्याओं का निदान करने के बाद इसे बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। पूर्व में लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना थी। अब तीन वर्ष बाद इसकी लागत का नए सिरे से आकलन किया जाएगा। इसी प्रक्रिया में कंसल्टेंसी कंपनी का चयन किया जा रहा है। कंपनी चयन के लिए निविदा मांगी गई है। चार जून 2026 तक निविदा के लिए आवेदन मांगा गया है।

## गोवंश से भरी पिकअप पकड़ी, आरोपी गिरफ्तार

मानेसर। गुरुग्राम पुलिस की गो रक्षा प्रकोष्ठ ने केएमपी टोल के पास कार्रवाई करते हुए गोवंश से भरी एक पिकअप पकड़ी। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, टीम केएमपी मानेसर टोल पचगांव के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान पिकअप तेज रफ्तार और लापरवाही से आती दिखाई दी। पुलिस ने गाड़ी को रोकने का इशारा किया तो वाहन चालक गाड़ी को वापस मोड़कर भागने की कोशिश करने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर गाड़ी को रोक लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम कपिल निवासी सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़ बताया। पुलिस ने जब गाड़ी की जांच की तो उसमें दो गाय और एक बछड़ा मिला। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास गोवंश ले जाने से संबंधित कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। जांच में सामने आया कि आरोपी गोवंश को बहादुरगढ़ से राजस्थान के भिवाड़ी की तरफ ले जा रहा था। पुलिस सूचना मिलने के बाद थाना बिलासपुर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले में गो रक्षा प्रकोष्ठ, गुरुग्राम और थाना बिलासपुर पुलिस आगे की जांच कर रही है। मौके पर पशु चिकित्सक को भी बुलाया गया।

## जनगणना में लापरवाही पड़ी भारी, 411 कर्मचारियों की सैलरी रुकेगी

आगरा। आगरा नगर निगम प्रशासन ने जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। ड्यूटी प्राप्त करने के बावजूद जनगणना कार्य में रुचि न लेने वाले 411 कर्मचारियों का वेतन रोकने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए संबंधित कर्मचारियों के विभागाध्यक्षों को पत्र भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम की ओर से लगातार बैठकें आयोजित कर सुपरवाइजरों और प्रगणकों को फील्ड में सक्रिय रहने के निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन कुछ कर्मचारी कार्य नहीं कर रहे हैं। ऐसे 411 कर्मचारियों की सूची तैयार कर संबंधित विभागाध्यक्षों को वेतन रोकने के लिए पत्र भेजा जा रहा है। नगर जनगणना अधिकारी ने बताया कि अभी भी लगभग साढ़े तीन सौ कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक अपनी ड्यूटी तक प्राप्त नहीं की है। इनके खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर्मचारियों की भी लगातार निगरानी की जा रही है।

## हत्या आरोपियों को ढाई दशक बाद हाईकोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोटला मुबारकपुर में हुए 1999 के एक हत्याकांड में चार आरोपियों की अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने आरोपियों को हत्या की धारा के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की डिवीजन बेंच ने 26 मई 2026 को फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले को संदेह से परे साबित किया है। अदालत ने पाया कि मुख्य गवाह (मृतक का भाई) सुरेश कुमार की गवाही विश्वसनीय थी। 23-24 जून 1999 की रात करीब 12:30 बजे कोटला मुबारकपुर में राकेश कुमार की हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई सुरेश कुमार ने देखा कि राजिंदर, रवि कुमार उर्फ राजू, मंगल खत्री और जसविंदर उर्फ सनी ने राकेश को घेर लिया था। राजिंदर ने राकेश के हाथ पीछे पकड़े हुए थे, जबकि रवि और जसविंदर ने चाकू मारकर हमला किया। ट्रायल कोर्ट ने 28 मई 2002 को सभी को दोषी ठहराया और 30 मई 2002 को आजीवन कारावास व 5,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

## बेटी गई हरिद्वार, घर में गिरने से पिता की गई जान

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी थाना इलाके में 76 साल के एक बुजुर्ग का शव घर में खून से सना मिला है। मृतक की शिनाख्त पृथ्वीराज के रूप में हुई है। वह बेटी के साथ रहते थे। बेटी अपने बच्चों के साथ कुछ दिन पहले घूमने के लिए हरिद्वार चली गई थी। पड़ोसी ने पुलिस को उनके घर से बदबू आने की शिकायत की थी। आशंका है कि बुजुर्ग के गिरने से उनके सिर में चोट लगी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का खुलासा होगा। जानकारी के मुताबिक पृथ्वीराज कृष्णा नगर सुल्तानपुरी इलाके में अपनी बेटी व बेटी के बच्चों के साथ रहते थे। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात सुल्तानपुरी थाना पुलिस को घर के अंदर से दुर्गंध आने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस दरवाजा तो ?कर अंदर घुसी। अंदर एक बुजुर्ग खून से लथपथ हालत में पड़े थे।


**NAME CHANGE**
I, SARVAJIT BHARATI son of No-15207125W Rank-HAV(OPR) Name-GULSHAN NANDA R/o VPO-BHADSENI, TEHSIL & DIST-NAWADA, BIHAR-805129, have changed my name from SARVAJIT BHARATI to SARAVJIT BHARATI for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
It is for general information that, I Priyanka Thakur W/o Deepak Kumar R/o BR-83, Sector-45, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201301, declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Priyanka and Shristi in my minor daughter namely Shristi Thakur aged 14 years in her School record. The actual name of mine and my minor daughter is Priyanka Thakur and Shristi Thakur. which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

**NAME CHANGE**
It is for general information that I HETRAM S/o KISHANPAL R/o House No. 243 , Block – 1 , Sultanpuri , Nithari , PO : Sultanpuri C Block Dist : North West Delhi , Delhi – 110086 declare that name of my minor son has been wrongly written as RUPENDRA SINGH VISHRAWAL in my minor son namely RUPENDRA SINGH aged 13 years in his School Records . The actual name of my minor son is RUPENDRA SINGH which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, Archana Das alias Shaheen Begum W/o Inamur Rahman, residing at House No-496, Gali Tikewali Churiwalan, Jama Masjid, Delhi-110006, have embraced ISLAM and renounced CHRISTIANISM with effect from 03.04.1994 and also have changed my name from Archana Das alias Shaheen Begum to Shaheen Begum.

**NAME CHANGE**
I, SONIA BAJAJ W/O RAJENDER BAJAJ resident of C-2-3 BLOCK-c JHILMIL COLONY DELHI-110095 have changed my name to SONIYA BAJAJ for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I, SANDEEP PREM KUMAR DHAWAN S/O PREM KUMAR DHAWAN resident of V-37/12 DLF PHASE -2 MOULSARI AVENUE GURGOAN HARYANA have changed my name to SANDEEP DHAWAN for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I hitherto Known as RAN SHRI alias RAM SHRI D/o TALEWAR W/o CHANDAR PAL SINGH residing at , A – 592 , Gali No. 7 , A Block Sonia Vihar , Karaval Nagar , North East Delhi , Delhi – 110094 have changed my name and shall hereafter be known as RAM SHRI.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as SATENDER SINGH alias SATINDER SINGH S/o PRITAM SINGH R/o A – 3 , Block – A , Krishna Nagar H.O , East Delhi , Delhi - 110051 have changed my name and shall hereafter be known as SATINDER SINGH CHANAY.

**NAME CHANGE**
I, MEENAL AGRAWAL W/o KARAN SINGHAL , Residing at C-5/10 , Near Corporation Bank , Model Town - 3 , North West Delhi, Delhi - 110009 have change the name of minor Daughter ARADHYA SINGHAL aged 14 Years and She shall hereafter be known as AARADHYA SINGHAL.

**NAME CHANGE**
I hitherto Known as RITU D/o DESRAJ W/o VIJAY KUMAR R/o B – 42 , Sanjay Nagar Mangol Puri Kalan , Raja Pur Kalan , Rohini Secter – 7 , North West Delhi , Delhi – 110085 have changed my name and shall hereafter be known as RITU BALA .

**सार्वजनिक सूचना**
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश प्रजापति की पुत्री श्रीमती शिवानी ने खसरा संख्या 649 मिन में स्थित खसरा परगना दादरी गांव, तहसील एवं जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित 50 वर्ग गज (अर्थात 41.80 वर्ग मीटर) के आवासीय भूखंट का विक्रय विलेख दिनांक 11.09.2024 के माध्यम से, जो एमआर-ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, दस्तावेज संख्या 27449, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 45435, पृष्ठ 321-336 पर दिनांक 11.09.2024 को श्री कमलेश कुमार पुत्र द्वारा निष्पादित किया गया है, के माध्यम में विक्रय विलेख के आधार पर खरीदा है। श्री सिया प्रसाद यादव, दिनांक 20.03.2014 की मूल विक्रय विलेख की संपत्ति श्रृंखला में, जो श्रीमती शवली पत्नी श्री वेद राम नागर द्वारा श्री शिव कुमार यादव पुत्र श्री केदार यादव और श्री छायानाथ पुत्र श्री मदन के पक्ष में निष्पादित की गई थी, दस्तावेज़ संख्या 9488, पुस्तक संख्या 1, खंट संख्या 15481, पृष्ठ 95-116 पर, दिनांक 20.03.2014 को पंजीकृत, गुम हो गई है और आवेदन संख्या 315325/2026 के तहत दिनांक को औनलाइझ एफआईआर दर्ज की गई है। दिनांक 20.05.2026 को उक्त संपत्ति श्रीमती कल्पना सिंह को बेची जाएगी और इसका वित्तपोषण एमएमएफची इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उस संपति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।.
**Rahul Raj, Advocate,**
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

**NAME CHANGE**
I PAWAN KUMAR S/O JAGAN NATH GOEL R/O 7310/1 PREM NAGAR GALI NO -2 , SHAKTI NAGAR DELHI-110007 have changed my name to PAWAN GOEL Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I SHAISTA JAMAL W/O ATIF HUSSAIN R/O H.NO 10-A 8/11 A BLOCK RAJENDRA PASAD ROAD GARHI MENDU CHAUHAN BANGER SEELAM PUR DELHI - 110053 have changed my name to SHAYESTA JAMAL Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I TASLEEM S/O ABDUL WAHID R/O H.NO - 39, BLOCK -A NEAR MCD TOLL TAX EAST KAMAL VIHAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to MOHD TASLIM Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I RIJAVANA W/O MOHD TASLIM R/O H.NO - 39, BLOCK -A NEAR MCD TOLL TAX EAST KAMAL VIHAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to RIZWANA Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I, MOHAMMAD SHOAIB REHMAN S/O MOHD SALEEM REHMAN at B-2/16-B DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MD SHOAIB REHMAN for all future purpose.

**PUBLIC NOTICE**
Mrs. Rakhi Trivedi and Mr. Avaneesh Chandra Trivedi Owner of the Residential House bearing no. 58, Block-J, Sector - Beta -02 , Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P Mrs. Rakhi Trivedi and Mr. Avaneesh Chandra Trivedi have lost Original GPA executed by Mr. Soban Singh in favour of Mr. Ashu Bidhuri duly regd. vide doc no 711 , vol no 72 ,page no 423-432 dated 23.04.2003 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
**RAHUL KUMAR GUPTA**
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

**NAME CHANGE**
I, SUNITA RAKESH ANAND W/O RAKESH ANAND resident of D-138, NEW RAJINDER NAGAR, CENTRAL DELHI, DELHI-110060 have changed my name to SUNITA R ANAND for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I Vishal Goyal S/o Purshotham Goyal R/o House No.D-54, Mansarovar Park, North East Delhi, Delhi-110032 that I have changed the name of my minor aged 01 years from VITTHAL DAS to VAIBHAV GOYAL for all future purposes.

**NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE**
I, NO-15817848W, Rank-HAV, Name-DOPATHI YAKANNA residing at H.NO-1-78/1, VPO-RUGULA, TEHSIL-KODAKANDLA, DIST-WARANGAL, TELANGANA-506317, have changed my father's name from DOPATHI INDRAIAH to DOPATHI INDRA REDDY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 15/03/1966 instead of his correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 28/05/2026 before Executive Magistrate Delhi.

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, GANGA PHULARA W/O PREM BALLABH PHULARA residing at H.No. 3/234, Vasundhra, PO: Vasundhra Distt Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as GANGA DEVI and PREM PHULARA in my Service Records. The actual name of mine and my husband are GANGA PHULARA and PREM BALLABH PHULARA, respectively, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
It is for general information that, I Priyanka Thakur W/o Deepak Kumar R/o BR-83, Sector-45, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201301, declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Priyanka and Shrishti in my minor daughter namely Shrishti Thakur aged 14 years in her School record. The actual name of mine and my minor daughter is Priyanka Thakur and Shrishti Thakur. which may be amended accordingly.

**सार्वजनिक सूचना**
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कौस्तुभ अग्रवाल, पुत्र श्री राकेश कुमार अग्रवाल, मकान संख्या नगर निगम नं. 486/147, क्षेत्रफल 3828 वर्ग फीट, स्थित दलिगंज, तहसील एवं जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश, के स्वामी हैं।उक्त संपत्ति का स्वामित्व दिनांक 27.05.2026 को उप-पंजीयक कार्यालय (SRO), लखनऊ में पंजीकृत उपहार विलेख (Gift Deed) के आधार पर है, जो दस्तावेज संख्या 5702, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 28791, पृष्ठ संख्या 183-200 में दर्ज है, तथा जिसे श्री राकेश कुमार अग्रवाल द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी श्री राकेश कुमार अग्रवाल थे, जैसा कि असेसमेंट लेटर/हाउस टैक्स अभिलेखों में परिलक्षित है। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, शुल्क एवं मॉर्गेज से मुक्त है तथा संपत्ति का कब्जा वर्तमान में श्री कौस्तुभ अग्रवाल के पास है। उक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, स्थित 102, स्काई हाई, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश ङ्क 226001 द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
**[ अश्वनी कुमार ] अधिवक्ता**
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

**NAME CHANGE**
I, MINAXI ALIAS/ MEENAKSHI SAINI W/O NARENDER KUMAR R/O 355, First Floor City Homes Omaxe City Sector-15, Bahadurgarh Jhajjar Haryana-124507, have changed my name to MINAKSHI.

**NAME CHANGE**
I, J SANTHAMMA Mother of No-14449800M, Rank-HAV(GNR), Name-RATHEESH KUMAR R, residing at SANTHA VILASOM, VILL-EDAMULAKKAL, PO-AYOOR, TEHSIL-PUNALUR, DIST-KOLLAM, KERALA-691533, have changed my name from J SANTHAMMA to SANTHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 28/05/2026 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I, Jhalak Bansal D/o Dharamvir Singh Bansal R/o G-77, Patel Nagar-3rd, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 declare that name of my father has been wrongly written as Dharamvir Bansal in my 10th, 12th and Graduation Certificate. The actual name of my father is Dharamvir Singh Bansal.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that t, HIMANSHU BHADANA S/O DHIR SINGH residing at KH. 1136, RANJEET VIHAR, D. L. F. ANKUR VIHAR, LONI, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102, declare that name of my father has been wrongly written as DHEERAJ BHADANA in my Aadhar card No. 846861336303, Pan Card No. HCQPB5794D, Driving Licence No. DL1 20230146161, Cast Certificate No. 90500001031388, Domicile Certifcate No. 90540000361657 and in my all educational documents. The actual name of my father is DHIR SINGH which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
Information is hereby given to the general public that our clients Mr. Kapil Dang S/o Late Mr. Surya Prakash Dang and Mr. Yogesh Dang are the owners and in possession of Freehold Commercial Shop No. 2, admeasuring 14.5 Sq. Mtrs., situated at LSC, Masjid Moth, South Extension Part-II, Udai Park, New Delhi Our clients acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 25.02.2026, duly registered vide Document No. 2026/7/I/2728, Volume No. 9980, Book No. 1, Pages No. 161-178, before the office of SR-South, Hauz Khas, New Delhi.That in the chain of title documents, the original Conveyance Deed dated 28.02.2005 executed by Delhi Development Authority in favour of Mrs. Sarla W/o Mr. Suraj Parkash, registered vide Document No. 18657, Volume No. 1392, Book No. 1, Pages No. 90-94, before SR-VII, New Delhi, is not traceable / not available., Therefore, by way of this notice, our clients hereby declare that except our clients, no other person has any right, title, interest, claim, lien, objection, or demand whatsoever in respect of the said property or the aforesaid original Conveyance Deed., The said property is presently financed / mortgaged with SEWA Grih Rin Ltd., Branch Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I, Sonika Bansal D/o Ashok Kumar Goyal W/o Lalit Bansal R/o D/174, B-1, First Floor, Shyam Park Extention, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of mine has been wrongly written as Km. Sonika Goyel in my 10th Class Educational Documents, Km. Sonika Goel in my 12th Class Educational Documents, Sonikka Goyal in my BCom First year Certificate, Sonika Goyal in my Bcom 2nd, 3rd years Certificate, Sonika Goyel in my M.com Certificates and Sonika Goel in my MBA Certificate/degree and name of my father has been wrongly written as Ashok Kumar Goyel in my 10th Class Educational Documents, Ashok Kumar Goel in my 12th Class, Ashok Goyel in my M.Com Certificate and Ashok Kumar Goel in my MBA Certificate. The actual name of mine and my father are Sonika Bansal and Ashok Kumar Goyal.

**PUBLIC NOTICE**
I hitherto known as Mini W/o Shree Jaideep Bhola R/o A-321, Surya Nagar, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201011 have changed my name and shall hereafter be known as Mini Walia.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I, Arun Mathur S/o Manish Mathur R/o H.No-195, Street No 4, 25 Feet Road, Push Panjali Vihar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of my mother has been wrongly written as Sarda in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Sharda.

**सार्वजनिक सूचना**
सर्वसाधारण जनता को इस माध्यम से सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल- श्री उधवीर सिंह, श्री राम चन्दर, श्री प्रदीप कुमार फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या S-480-B, क्षेत्रफल 46 वर्ग गज, खसरा संख्या 260 में स्थित, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, ग्राम मंडावली फाजलपुर, दिल्ली-110092 के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त स्वामित्व दिनांक 12.11.1993 की पंजीकृत वसीयत के आधार पर प्राप्त हुआ, जो दस्तावेज संख्या 29651, वॉल्यूम संख्या 560, पुस्तक संख्या 3 में दिनांक 12.11.1993 को उप-पंजीयक कार्यालय-IV, दिल्ली में पंजीकृत है। यह भी सूचित किया जाता है कि स्वामित्व दस्तावेजों की श्रृंखला में निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं- स्वर्गीय श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी श्री राधे श्याम, जिनका निधन दिनांक 25.05.2020 को हुआ, का Surviving Member Certificate (SMC), दिनांक 12.11.1993 की पंजीकृत वसीयत का Probate Order; स्वर्गीय श्री रघुनाथ प्रसाद का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं Surviving Member Certificate (SMC)। अतः हमारे मुवक्किल यह घोषणा करते हैं कि उपरोक्त संपत्ति पर उनके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति अथवा संबंध नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति श्रीमती मधु बाला को विक्रय की जा चुकी है तथा उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Piramal Finance Ltd., शाखा- सोहना रोड, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा किया गया है। यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा प्राधिकरण को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा, आपत्ति अथवा अधिकार हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करे, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति अथवा दावा नहीं है।
**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

**उत्तर रेलवे**
**निविदा आमंत्रण सूचना**

| | |
|---|---|
| कार्य का नाम और इसकी स्थिति | 86-SRDEE-G-DLI-2026-27 एसएसई/पीएस/एसएमक्यूएल के अधिकार क्षेत्र में रेलवे क्वार्टरों की रीवायरिंग से संबंधित विद्युत कार्य। |
| निविदा की अनुमानित लागत | रू. 11135158.00/- |
| कार्यालय का पता | वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055 |
| बयाना राशि | रू0 222700.00/- |
| निविदा निवेदन की दिनांक व समय | 18.06.2026, 16.00 बजे |
| निविदा खोलने की दिनांक व समय | 18.06.2026, 16.00 बजे |
| वेब साइट व नोटिस बोर्ड | www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली |

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1802/2026



**कौमी पत्रिका**
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर** : 9312262300
**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## हरियाणा में सफाई कर्मचारी आयोग का गठन, ईश्वर सिंह बने चेयरमैन

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने बोर्ड एवं निगमों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन के लिए नियम व शर्तें तय करने के बाद नियुक्तयाँ शुरू कर दी हैं। रात सबसे पहले नियुक्ति हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी चयन आयोग में हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार ने राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन करते हुए चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति कर दी है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका को आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सरकार द्वारा जारी आदेशों में भारत भूषण टाक को वाइस-चेयरमैन बनाया गया है। इसके अलावा आयोग में मोहित वाल्मीकि, जितेंद्र वाल्मीकि, रेखा रानी, संजीव घरू और चंदर प्रकाश बोस्ती को सदस्य नियुक्त किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक यह आयोग वर्ष 2017 में गठित हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के तहत कार्य करेगा। सरकार ने कहा है कि नियुक्त सदस्यों की सेवा शर्तें और अन्य नियम अलग से जारी किए जाएंगे। यह नियुक्तियां सामाजिक न्याय एवं सफाई कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से की गई हैं।

## युवक की गला दबाकर हत्या करने के आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार

**पानीपत।** पानीपत के गांव वैसर में युवक को घर पर बुलाकर मारपीट कर उसका गला घोटकर हत्या करने के दो आरोपी मां-बेटे को थाना मतलौडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान वैसर निवासी महिला मंजीत और उसके बेटे विकास के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मिलकर युवक को घर पर पीटकर व गला घोटकर हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस ने बताया कि थाना मतलौडा में वैसर गांव निवासी राजबाला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका बेटा सतीश 25 मई को खेत में पानी देने के लिए गया था। जो देर रात तक वापिस नहीं आया। रात को सूचना मिली थी कि सतीश की हत्या कर गांव के ही राजेश के मकान की छत पर बने चौबारे के आगे बरामदे में डाला हुआ है। पुलिस ने राजबाला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अभियोग दर्ज कर मामले की जांच व आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी थी। पूछताछ में महिला आरोपी मंजीत ने पुलिस को बताया सतीश की उसके साथ बोल चाल थी। पति राजेश करीब 10-12 साल से लकवा ग्रस्त है, और रात में कम दिखाई देता है। 25 मई की रात वह और पति राजेश घर के ऊपर वाले कमरे में सो रहे थे। बेटा विकास किसी काम से मतलौडा गया हुआ था। रात को सतीश उनके कमरे में आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा, वह नशे में था।

## व्यापारी को धमकी देने वाले बदमाशों की कराई शिनाख्त परेड

**जींद।** व्यापारी को असलहा दिखाकर धमकी देने के दो आरोपितों को शहर थाना नरवाना पुलिस ने पैदल बाजार में शिनाखा के लिए व्यापारी की दुकान पर ले गई। पुलिस ने दोनों आरोपितो से निशानदेही भी करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गौरतलब है कि नरवाना के व्यापारी सौरभ से पीछले वर्ष फिरौती मांगी गई थी। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। जिसमें नरवाना निवासी नसीब भी शामिल था। गत 25 मई को तीन बदमाश सौरभ के पास पहुंचे और पिस्तौल दिखाते हुए समझौता करने का दबाव डाला। दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरों से तीनों आरोपितों की पहचान हो गई थी। बीती देर शाम सीआईए नरवाना ने तीनों को काबू कर लिया था। धरपकड़ के दौरान मुख्यआरोपित की गिरने के कारण टांग में फैक्चर हो गया था। जिसकी पहचान नरवाना निवासी हर्षित के रूप में हुई। जबकि उसके साथियो की पहचान गांव कोयल निवासी अंकुश व अभिषेक के रूप मे हुई थी। सीआईए नरवाना प्रभारी सुखदेव सिंह के नेतृत्व में पुलिस आरोपित अंकुश तथा अभिषेक को शहर थाने से पुराना बाजार तक पैदल दुकान पर ले गई। दोनों की बालों की कटिंग भी अजीब तरह की कराई गई थी। हथकड़ी लगे दोनों आरोपितों को बाजार से गुजरते समय दोनों लोगो की भीड़ देखती रही। जिसके बाद पुलिस दोनों आरोपितों को दुकान पर ले गई और निशानदेही करवाई।

## जींद में व्यापारी से चौथ मांगने व धमकी देने वाले तीन गिरफ्तार

**जींद।** नरवाना पुराना बाजार व्यापारी से चौथ मांगने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में सीआईए स्टाफ नरवाना व थाना शहर नरवाना पुलिस की टीम ने मुख्य आरोपी सहित तीन बदमाशों को काबू किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नरवाना हाल आबाद रोहिणी दिल्ली निवासी हर्षित, गांव कोयल निवासी अंकुश व अभिषेक के रूप में हुई है। उप पुलिस अधीक्षक नरवाना कमलजीत राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 25 मई को पुराना बाजार नरवाना में एक व्यापारी को तीन बदमाश युवकों ने चौथ मांगी और चौथ राशि न देने पर जान से मारने की धमकी दी। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला की सभी क्राइम टीमों को एक्टिव किया गया। सीआईए नरवाना की टीम आरोपितों को काबू करने के लिए लगातार उसके ठिकानों पर रेड कर रही थी लेकिन आरोपित बार-बार अपनी लोकेशन चेंज कर रहा था।

# हरियाणा गिग वर्कर्स के पंजीकरण को चलेगा विशेष अभियान

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए नई योजनाएं तैयार कर रही हैं। इसके लिए प्रदेश में कार्यरत सभी गिग वर्कर्स का विशेष अभियान चलाकर रजिस्ट्रेशन किया जाए और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन 2047 के अंतर्गत श्रम विभाग के अगले 5 वर्ष के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने असंगठित क्षेत्र के कामगारों के कल्याण तथा वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के संबंध में भी अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा व

अन्य लाभ देने की घोषणा की थी। इसी प्रकार केंद्र सरकार भी गिग वर्कर्स के कल्याण की योजना बना रही है। पात्र व्यक्तियों तक समुचित लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि सभी गिग वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन किया जाए, इस कार्य को जल्द पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। गिग वर्कर्स की नियुक्ति वाले सभी प्लेटफॉर्म से भी संपर्क किया जाए। श्रम विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन ने बताया कि इस समय प्रदेश में 21777 गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं और बचे हुए गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए विभाग द्वारा संबंधित प्लेटफार्म पर कर्मचारियों को भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन तथा अन्य कामगारों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले कार्यों का पूरा कैलेंडर बनाकर दें। नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों के लिए 30 से अधिक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं को श्रमिकों तक प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने के लिए श्रम विभाग का संरचनात्मक पुनर्गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके लिए सभी विभागों का संयुक्त सहयोग आवश्यक है। सरकार का लक्ष्य अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को राष्ट्रीय औसत से ऊपर लेकर जाना है।

## अवैध खनिज परिवहन पर तुरंत करें कार्रवाई, लगातार रखें निगरानी

एजेंसी

**गुरुग्राम।** जिला में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर उपायुक्त उत्तम सिंह की अध्यक्षता में माइनिंग टास्क फोर्स कमेटी की बैठक हुई। लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में हुई बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं टास्क फोर्स कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला एवं उपमंडल स्तर पर गठित टास्क फोर्स टीमें समय-समय पर संयुक्त रूप से पहाड़ी क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करें, ताकि अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने अवैध खनिज परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने, वाहनों की नियमित जांच करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू व्यवस्थाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए और कहीं भी किसी प्रकार की अवैध गतिविधि सामने आने पर तुरंत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

माइनिंग अधिकारी निरंजन लाल ने बताया कि अप्रैल और मई माह के दौरान जिला में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया गया। इस दौरान 134 ओवर लोडिंग वाहनों को जब्त किया गया तथा 61 लाख रुपये से अधिक की पेनल्टी वसूल की गई। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और संयुक्त टीमों द्वारा नियमित निरीक्षण भी किए जा रहे हैं।

## स्वच्छता रैंकिंग में गोहाना को मिलकर सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे: डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

**सोनीपत।** गोहानामें सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में हर गोहानावासी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छता रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थानदिलाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। गोहाना नगर परिषद क्षेत्र में आगामी पांच वर्षों के लिए शुरू की गई डोर टू डोर ठोस कचरा संग्रहण, अलगाव और परिवहन व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंत्री की मौजूदगी में नगर परिषद वाइस चेयरपर्सन राजबाला मलिक और पार्षद विनोद कुमार ने कचरा उठान के लिए लगाए गए वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि अब शहर में घर-घर से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग उठाया जाएगा। इससे सफाई व्यवस्था मजबूत होगी और शहर को साफ रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अगले पांच वर्षों तक सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने पर करीब 12 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए हर घर और प्रतिष्ठान पर आरएफआईडी टैग लगाए जाएंगे। कचरा उठान के दौरान इन टैग की स्कैनिंग होगी, जिससे ऑनलाइन निगरानी और रिकॉर्ड व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि व्यवस्था की नियमित जांच की जाए और लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाए। धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों से बातचीत करते हुए मंत्री ने ठेकेदार एजेंसी को पुराने कर्मचारियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

# बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए 24 घंटे सक्रिय है कॉल सेंटर व्यवस्था : अनिल विज

एजेंसी

**पंचकूला।** हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पंचकूला स्थित उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कॉल सेंटर का औचक निरीक्षण कर बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉल सेंटर में आने वाली शिकायत कॉल्स, उनके समाधान की प्रक्रिया तथा उपभोक्ताओं को दिए जा रहे रिस्पॉन्स की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। औचक निरीक्षण के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 1912 कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को बिजली

आपूर्ति या बिलिंग संबंधी कोई समस्या आती है तो वह सीधे कर्मचारियों को फोन करने की बजाय 1912 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाए, ताकि शिकायतों की मॉनिटरिंग पारदर्शी तरीके से हो सके और उपभोक्ताओं व कर्मचारियों के बीच किसी प्रकार की असुविधा या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। विज ने बताया कि पंचकूला स्थित इस कॉल सेंटर में लगभग 250 कर्मचारी 24 घंटे कार्यरत रहते हैं और बिजली से संबंधित शिकायतों को लगातार अटेंड करते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं यह देखने के लिए यहां पहुंचे हैं कि शिकायतों का निस्तारण तय समयसीमा के भीतर और प्रभावी ढंग से हो रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई उपभोक्ताओं से सीधे फोन पर बातचीत कर शिकायत समाधान की स्थिति की जानकारी ली। कुछ उपभोक्ताओं ने समाधान पर संतोष जताया, जबकि कुछ मामलों में अपेक्षित रिस्पॉन्स न मिलने की बात सामने आई, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शहरी क्षेत्रों में बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान अधिकतम दो घंटे के भीतर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चार घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि आज कॉल सेंटर में लगभग 2500 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से आधी शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष शिकायतों पर तेजी से कार्य जारी है।

# हरियाणा में बोर्ड व निगम चेयरमैन के लिए तय हुए नए नियम

एजेंसी

**चंडीगढ़।** नायब सरकार ने गैर-सरकारी अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, वाइस-चेयरपर्सन और सदस्यों की नियुक्तियों के लिए एकीकृत सेवा शर्तें जारी कर दी हैं। नई नीति के तहत मानदेय, आवास, यात्रा भत्ता, चिकित्सा सुविधा और स्टाफ कार जैसी सुविधाओं का स्पष्ट प्रावधान किया गया है, जिससे नियुक्तियों में पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित होगी। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, वर्ष 2017 में जारी मूल निर्देशों तथा वर्ष 2019 और 2021 में किए गए विभिन्न संशोधनों को अब एक ही ढांचे में शामिल किया गया है, ताकि सभी विभाग और निकाय निर्धारित मानकों को समान रूप से लागू कर सकें तथा किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति से बचा जा सके। नई व्यवस्था के तहत अध्यक्ष/चेयरपर्सन का कार्यकाल प्रारंभिक रूप से एक वर्ष निर्धारित किया गया है, जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया या घटाया सकेगा। अध्यक्ष/चेयरपर्सन के अधिकतम

> **सरकार की ओर से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी के समकक्ष स्टाफ कार और चालक उपलब्ध कराया जाएगा।**

75 हजार रुपये प्रतिमाह तथा उपाध्यक्ष/वाइस-चेयरपर्सन को अधिकतम 45 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा सकेगा। नियमित जिम्मेदारी निभाने वाले सदस्यों को 30 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा।

नए निर्देशों में आवास सुविधा, टेलीफोन, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, चिकित्सा सुविधा तथा स्टाफ कार जैसी सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है। अध्यक्षों को अधिकतम 50 हजार रुपये प्रतिमाह तथा उपाध्यक्षों को 45 हजार रुपये प्रतिमाह तक मकान किराया भत्ता दिया जा सकेगा। नीति के तहत अध्यक्षों/उपाध्यक्षों को ग्रुप-ए अधिकारियों के समकक्ष टेलीफोन तथा मोबाइल फोन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और चिकित्सा सुविधाएं भी हरियाणा सिविल सेवा नियमों के अंतर्गत ग्रुप-ए अधिकारियों के समान प्रदान की जाएंगी।

सरकार की ओर से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी के समकक्ष स्टाफ कार और चालक उपलब्ध कराया जाएगा। निजी वाहन का उपयोग करने की स्थिति में निर्धारित सीमा तक रोड माइलेज भत्ता भी देय होगा।

नए निर्देशों के अनुसार अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को निजी सचिव/व्यक्तिगत सहायक, क्लर्क, चपरासी तथा होम पियून की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा सकेगी। यह स्टाफ अनुबंध आधार पर नियुक्त किया जाएगा और उनका कार्यकाल संबंधित पदाधिकारी के कार्यकाल के साथ सह-समाप्त होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये प्रावधान उन सभी मामलों में लागू होंगे, जहां पहले से कोई विशेष नियम या विनियम मौजूद नहीं हैं। साथ ही निर्धारित प्रावधानों में किसी प्रकार की छूट या विचलन के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। निर्देशों में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी निकाय में मुख्यमंत्री अध्यक्ष या चेयरपर्सन नामित किए जाते हैं, तो उस निकाय के उपाध्यक्ष या वाइस-चेयरपर्सन को अध्यक्ष स्तर की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

## समितियों को तकनीकी सहायता और शोध सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए बनेगा विशेष केंद्र : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा की वित्तीय एवं विषय समितियों को और प्रभावी बनाने के लिए नई पहल की है। वे समितियों में शामिल सदस्यों को संसदीय कार्यप्रणाली की बारीकियों से अवगत करवाने तथा उन्हें शोध आधारित सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए विशेष सेंटर की स्थापना करने जा रहे हैं। शाम सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में आयोजित समितियों के सभापतियों के साथ आयोजित एक बैठक में उन्होंने यह जानकारी दी। बैठक में समितियों को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी एवं जवाबदेह बनाने के लिए व्यापक चर्चा की गई। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा विधान सभा सचिवालय की ओर से स्थापित विशेष केंद्र के माध्यम से समितियों की कार्यक्षमता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा समितियां अधिक प्रभावी ढंग से

कार्य कर सकेंगी। उन्होंने समितियों की कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित, शोध आधारित एवं आधुनिक बनाने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं तथा इनके कार्य को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

## पेयजल व्यवस्था में लापरवाही पर दो एसडीओ व दो जेई निलंबित, दो अधिकारी चार्जशीट

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने पेयजल व्यवस्था में कोताही के आरोप में अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए दो एसडीओ और दो जेई को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। इनमें चरखी दादरी तथा हांसी क्षेत्र के अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आदमपुर के दो अधिकारियों को चार्जशीट करने के भी निर्देश दिए गए हैं। गर्मी के सीजन को देखते हुए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। गंगवा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक के दौरान उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण सीजन में आमजन को किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े।

इसके लिए अधिकारी फील्ड में रहकर कार्य करें, शिकायतों का त्वरित समाधान करें तथा जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ संचालित रखें।बैठक में मुख्य अभियंता देवेंद्र दाहिमा सहित विभिन्न सर्कलों के अभियंता उपस्थित रहे, जबकि सभी सर्कलों के अंतर्गत आने वाले अधीक्षण अभियंता (एसई) और उपमंडल अभियंता (एसडीओ) वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े। कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और

> **हिसार जिला के आदमपुर जलघर की बदहाल स्थिति तथा वहां पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्याओं पर भी संज्ञान लिया गया।**

कर्मचारी मुख्यालय पर उपलब्ध रहें तथा बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें। साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी स्थिति में पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी पेयजल संकट, जलघर की बदहाली, पाइपलाइन लीकेज या पानी की सप्लाई में बाधा जैसी समस्याएं सामने आएंगी, वहां संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

हांसी के चानौत गांव में पेयजल समस्या को लेकर चल रहे धरने और अधिकारियों से मिली रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने संबंधित एसडीओ और जेई को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि वहां के जिम्मेवार अधिकारियों द्वारा समस्या समाधान में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई, जिसके कारण लोगों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। हिसार जिला के आदमपुर जलघर की बदहाल स्थिति तथा वहां पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्याओं पर भी संज्ञान लिया गया। मंत्री ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एसडीओ और जेई को चार्जशीट कर जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

गंगवा ने एक्सईएन, एसडीओ और जेई स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करें तथा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की स्वयं निगरानी करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयों में बैठकर कार्य न करें बल्कि गांवों और शहरों में जाकर वास्तविक स्थिति का जायजा लें।

## हर सिविल कार्य की होगी जांच, बनेगी उच्च स्तरीय लैब : मुख्यमंत्री

एजेंसी

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में सभी सिविल एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय लैब विकसित करने के निर्देश दिए हैं। क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए हर सप्ताह निरीक्षण रिपोर्ट हरियाणा इंजीनियरिंग पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग, एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब, क्यूआर कोड आधारित निगरानी और सिस्टम सुधार पर भी विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इंजीनियरिंग विभागों के अधिकारियों के साथ क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी समीक्षा में निर्देश दिए कि विभागों का सिस्टम इम्प्रूव होगा तभी इसके सार्थक परिणाम आएंगे। इसलिए विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें। अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर के अधिकारी हर सप्ताह चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण करें और उसकी अनुपालना रिपोर्ट

हरियाणा इंजीनियरिंग पोर्टल पर अपलोड करें।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, एसीएस ए के सिंह, विजयेन्द्र कुमार, पुलिस हाउसिंग के डीजीपी आलोक मित्तल, एमडी विद्युत प्रसारण आदित्य दहिया, एमडी एचएसआईआईडीसी सुशील सारवान सहित जनस्वास्थ्य, लोक निर्माण, सिंचाई विभाग के इंजिनियर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

# डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों के वेतन से कटेगा जुर्माना

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां आरटीआई मामलों में डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों से जुर्माना राशि सीधे वेतन और पेंशन से वसूलने का सख्त मैकेनिज्म लागू किया गया है। जस्टिस हरपाल वर्मा की सख्ती और आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर की छह साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद यह ऐतिहासिक फैसला लागू हुआ। इस दौरान लोकायुक्त जस्टिस हरपाल वर्मा ने कई आदेश ऑर्डर किए और चीफ सेक्रेटरी के स्तर पर कई बार उच्च अधिकारियों की मीटिंग हुई। लोकायुक्त ने तीन माह के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है।

आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर ने छह वर्ष पूर्व 21 जुलाई 2020 को लोकायुक्त कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि प्रदेश के अधिकांश जन सूचना अधिकारी न तो सूचना देते हैं और न ही राज्य सूचना आयोग द्वारा लगाई गई जुर्माना राशि जमा करते हैं। याचिका द्वारा ऐसे कुल 1726 डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों से 2.27 करोड़ रुपये की बकाया जुर्माना राशि वसूली की मांग की थी। अब सरकार द्वारा जुर्माना राशि

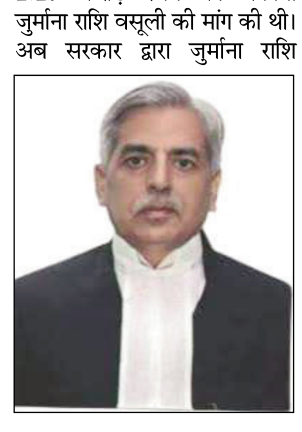

वसूली के लिए बनाए गए मैकेनिज्म के तहत सभी डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों की सूची वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। राज्य सूचना आयोग हर तिमाही पर डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों की लिस्ट संबंधित विभाग के मुखिया को देगा। जुर्माना राशि दोषी कर्मचारियों के वेतन व पेंशन से समयबद्ध तरीके से कटेगी। जुर्माना राशि वसूली के लिए सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों व विभागाध्यक्षों को स्पष्ट व सख्त आदेश जारी किए हैं। इन्हें यह जुर्माना राशि वसूल करके रिपोर्ट हर माह राज्य सूचना आयोग में पेश करनी होगी। लोकायुक्त को दी रिपोर्ट में सरकार ने बताया है कि पंचायत विभाग के जन सूचना अधिकारियों की ओर कुल 1,34,86,833 रुपये, शिक्षा विभाग( डीएसई) 22,77,276 रुपये,रेवेन्यू विभाग 14,76,500 रुपये, शहरी निकाय विभाग 80,96,381 रुपये सहित कुल 16 विभागों के डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों की ओर कुल 2,94,87,657 रुपये की जुर्माना राशि बकाया है। कपूर ने बताया कि जुर्माना राशि वसूली का यह मैकेनिज्म बनाने और लागू करने वाला हरियाणा पहला राज्य पूरे देश में बन गया है। जुर्माना राशि वसूली से सरकार को राजस्व मिलेगा और डिफॉल्टर जन सूचना अधिकारियों पर लगाम कसेगी।

# एमसीडी के करोल बाग जोन को स्वच्छता एवं नागरिक सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार के लिए आईएसओ प्रमाण मिला

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के करोल बाग जोन को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं नागरिक सेवा वितरण के क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) प्रमाणन प्रदान किया गया। यह प्रमाणन जोन द्वारा शहरी प्रबंधन, कार्यकुशलता तथा सतत शहरी प्रबंधन के उच्च मानकों को बनाए रखने हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने इस उपलब्धि के लिए उपायुक्त, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मचारियों, फील्ड टीमों एवं स्थानीय निवासियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रमाण गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवा प्रदान करने तथा नागरिकों के हित में नागरिक अवसंरचना को बेहतर बनाने की दिशा में जोन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।उन्होंने कहा कि करोल बाग जोन द्वारा शुरू की गई कई महत्वपूर्ण पहलों ने आईएसओ प्रमाण प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाई।

इनमें मशीनीकृत सड़क सफाई, धूल-मुक्त सड़क अभियान, वैज्ञानिक कचरा संग्रहण प्रणाली, नालों की नियमित सफाई (डीसिल्टिंग), स्वच्छता अभियान तथा नागरिक कार्यों की सघन निगरानी शामिल हैं। इन उपायों के निरंतर क्रियान्वयन से पूरे जोन में स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य मानकों को मजबूत करने में सहायता मिली है। उपायुक्त दिलखुश मीणा ने सभी अधिकारियों, स्वच्छता कर्मचारियों एवं नागरिकों का उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आईएसओ प्रमाण जोन को स्वच्छ दिल्ली के लक्ष्य की दिशा में और अधिक समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

## गोयल ने कनाडा को दिया दोहरी-डिग्री का प्रस्ताव, संबंधों में 'पुनर्संतुलन' पर जोर

**टोरंटो में केंद्रीय मंत्री ने कहा, छात्रों के लिए दोहरी-डिग्री व्यवस्था हो**

**टोरंटो ।**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान शैक्षिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए कनाडा को दोहरी-डिग्री व्यवस्था शुरू करने का सुझाव दिया है। टोरंटो विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में गोयल ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए भारत-कनाडा संबंधों में राजनीतिक पुनर्संतुलन के उपयुक्त समय का भी जिक्र किया। गोयल ने ऐसे कार्यक्रमों पर तेजी से काम करने का सुझाव दिया, जिनमें छात्र एक साल कनाडा में पढ़ाई कर सकें और फिर भारत लौटकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कनाडा के युवाओं को भारत आकर यहां हो रहे विकास कार्यों को करीब से देखने का भी आमंत्रण दिया। दोहरी-डिग्री व्यवस्था के तहत छात्र आंशिक पढ़ाई भारत और आंशिक कनाडा में करके दोनों संस्थानों से मान्यता प्राप्त डिग्री पा सकते हैं। इस अवसर पर गोयल ने निवेश आकर्षित करने की अपील करते हुए कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने 2047 तक प्रति व्यक्ति आय को 20,000 डॉलर तक पहुंचाने और विनिर्माण-बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश का लक्ष्य बताया। गोयल ने गणितीय गणना के आधार पर अनुमान जताया कि 7 फीसदी की वृद्धि दर बनाए रखने पर भारत की अर्थव्यवस्था अगले 25 वर्षों में लगभग आठ गुना बढ़कर 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है।

## ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी और राज्यों के प्रतिबंध का अधिकार वैध- एससी

**कंपनियों पर पिछली तारीख से भारी-भरकम कर का बोझ**

**नई दिल्ली।**

सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक बड़ा झटका दिया है। न्यायालय ने गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले दांव के समूचे अंकित मूल्य पर पिछली तारीख से 28 फीसदी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने राज्यों को पैसों वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने का कानून बनाने के अधिकार को भी वैध ठहराया है। इन फैसलों से भारत में बची हुई गेमिंग कंपनियों के संचालन पर गंभीर संकट गहरा गया है। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह कर संवैधानिक रूप से वैध है और जीएसटी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। पीठ ने स्पष्ट किया कि फैंटेसी स्पोर्ट्स सहित ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां, जिनमें अनिश्चित परिणामों पर दांव लगाया जाता है, जीएसटी ढांचे के तहत सट्टेबाजी और जुए की श्रेणी में आती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर करीब 91,684 करोड़ रुपये का कर बकाया है, जो ब्याज और जुर्माने सहित संभावित रूप से दोगुना हो सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को महज मध्यस्थ नहीं माना जा सकता और उनकी गतिविधियां जीएसटी व्यवस्था के दायरे में आती हैं। अदालत ने पिछली तारीख से लागू होने वाले कर संशोधनों को भी वैध ठहराया। गेमिंग कंपनियों ने 28 फीसदी जीएसटी को पिछली तारीख से लागू करने को चुनौती दी थी। इन निर्णयों से उन गेमिंग कंपनियों पर दबाव और बढ़ गया है जो पहले ही अपना कारोबार समेट चुकी हैं या कम कर चुकी हैं।

## ईंधन सब्सिडी दुरुपयोग पर सरकार का शिकंजा

**औद्योगिक उपभोक्ता खुदरा ईंधन खरीद रहे, डीलर भी कर रहे कालाबाजारी**

**नई दिल्ली ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया संकट पर हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में खुदरा ईंधन के दुरुपयोग और कालाबाजारी के गंभीर मामले सामने आए हैं। इसमें पाया गया कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाले खुदरा ईंधन का लाभ उठा रहे हैं, जिससे तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भारी दैनिक नुकसान हो रहा है। मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक की कार्यवाही पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह खुलासा हुआ कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाली कीमत का फायदा उठाने के लिए औद्योगिक ईंधन की बजाय खुदरा ईंधन खरीद रहे हैं। इसके साथ ही कुछ डीलरों द्वारा कालाबाजारी के भी मामले सामने आए हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकारों ने जमीनी स्तर पर निगरानी तेज कर दी है और उद्योग संगठनों को भी इस काम से जोड़ा जा रहा है।

# एचडीएफसी बैंक के शेयर लुढ़के, सरकारी एजेंसी को अनुचित भुगतान का आरोप

**बैंक ने आरोपों का खंडन किया, आंतरिक नियंत्रण मजबूत होने का दावा**

**नई दिल्ली ।**

एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जब मीडिया रिपोर्टों में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) नामक एक सरकारी एजेंसी को कथित रूप से अनुचित भुगतान का दावा किया गया। हालांकि, बैंक ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी लेनदेन स्थापित मानदंडों के अनुसार हुए हैं।

दिन के अंत में बैंक का शेयर 758.50 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद से 2.63 फीसदी नीचे था। एक रिपोर्ट के अनुसार बैंक द्वारा की गई एक आंतरिक जांच में पाया गया कि वित्त वर्ष 2024 और 2025 में एमएसआरडीसी को डिफरेंशियल इंटरेस्ट'के रूप में वर्गीकृत विपणन व्यय के माध्यम से लगभग 45 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसके पास मजबूत आंतरिक निरीक्षण, लेखा परीक्षा और नियंत्रण प्रक्रियाएं और प्रणालियां हैं। बैंक ने एक बयान में कहा कि बैंक के स्थापित मानदंडों के अनुसार सभी मुद्दों को निपटाया जाता है। हम चुनिंदा सामग्री के आधार पर कदाचार या जवाबदेही की किसी भी धारणा को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब बैंक में प्रशासन संबंधी सवाल उठे हैं, और पूर्व अंशकालिक अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती ने मार्च में इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

## जेब से स्वास्थ्य खर्च में बढ़ोतरी, सरकार का अंशदान घटा

**राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 2022-23- लोगों की जेब से खर्च बढ़कर 43.4 फीसद हुआ**

**नई दिल्ली ।**

देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले कुल व्यय में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन इसमें लोगों द्वारा सीधे अपनी जेब से किया जाने वाला खर्च (आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर- ओओपीई) भी बढ़ा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2022-23 के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय में ओओपीई एक साल में 39.4 फीसदी (2021-22) से बढ़कर 43.4 फीसदी हो गया है। इसी अवधि में, स्वास्थ्य पर सरकार का अंश 48 फीसदी से घटकर 43.7 फीसदी रह गया है। यह पहली बार है जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुमानों में ओओपीई में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो बढ़ती लागतों की ओर इशारा करता है। रिपोर्ट बताती है कि कोविड-19 महामारी के बाद पूर्ण रूप से खुलने के पहले साल (2022-23) में स्वास्थ्य, निदान और फार्मास्यूटिकल्स की उच्च लागत और मांग के कारण ओओपीई में यह वृद्धि हुई है।

## बीमा क्लेम अब तेज और पारदर्शी, अधिकारियों की सीधी जवाबदेही

**आईआरडीएआई सख्त, कंपनियों को 15, 30 और 60 दिन में देना होगा क्लेम अपडेट**

**मुंबई ।**

बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने ग्राहकों की बीमा क्लेम संबंधी परेशानियों को कम करने के लिए कड़े नए नियम लागू किए हैं। अब बीमा कंपनियों को तय समय सीमा में क्लेम निपटाने होंगे और देरी होने पर वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी। इससे करोड़ों पॉलिसीधारकों को तेज और पारदर्शी सेवा मिलने की उम्मीद है। नए नियमों के तहत, बीमा कंपनियों के एमडी और सीईओ की जिम्मेदारी सीधे ग्राहक सेवा से जुड़ी है। उनका बोनस और अतिरिक्त वेतन अब इस बात पर निर्भर करेगा कि क्लेम कितनी तेजी व पारदर्शिता से निपटाए जा रहे हैं। कंपनियों को हर 15, 30 और 60 दिन में ग्राहकों को क्लेम की स्थिति बतानी होगी, जिससे उन्हें बेवजह कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त पॉलिसी में पता, मोबाइल नंबर या नॉमिनी बदलने जैसे कार्य अब 7 दिनों के भीतर पूरे करने होंगे; देरी होने पर इसे शिकायत माना जाएगा। आईआरडीएआई ने कंपनियों के कामकाज की निगरानी हेतु छह प्रमुख मानदंड भी तय किए हैं, जिनमें क्लेम सेटलमेंट रिकॉर्ड और शिकायत निपटान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सख्त नियमों से बीमा क्लेम प्रक्रिया आसान और तेज होगी, जिससे ग्राहकों को समय पर भुगतान मिलेगा और कंपनियों पर पारदर्शिता बनाए रखने का दबाव बढ़ेगा।

# कल से शुरू फ्लिपकार्ट की 'GRWM GRWMÓ फैशन सेल मे मिलेगा

**कंटेंट, कल्चर और फैशन का नया गरम गरम तड़का**

**नई दिल्ली ।**

फ्लिपकार्ट फैशन ने अपने नए और ट्रेंडिंग कैंपेन '**GRWM GRWM**' के साथ फैशन शॉपिंग को एक नया अंदाज़ दिया है। ल्द्ग्ठुं के बीच लोकप्रिय **"Get Read4 With** रूद्ग÷ ट्रेंड को भारतीय ट्विस्ट देते हुए फ्लिपकार्ट ने इसे ÷गरम गरम÷ स्टाइल में पेश किया है, जहां फैशन सिर्फ खरीदारी नहीं बल्कि कंटेंट, कल्चर और ह्यद्गद्यद्ब-**e&pression** का हिस्सा बनकर सामने आता है। 29 मई से 7 जून 2026 तक चलने वाली इस फैशन सेल में ग्राहकों को 10 लाख+ ट्रेंडी स्टाइल्स, 50 से ज्यादा इंटरनेशनल और होमग्रोन ब्रांड्स और कई आकर्षक ऑफर्स मिलेंगे। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि सेल के दौरान 550 मिलियन+ विज़िट्स आने की उम्मीद है, जिसमें ल्द्ग्ठुं ग्राहकों की हिस्सेदारी लगभग 50त्न तक हो सकती है। फ्लिपकार्ट फैशन इस कैंपेन के जरिए पारंपरिक **End of Season Sale** को एक नए, ट्रेंडिंग और कल्चर के हिसाब से बदलने की कोशिश कर रहा है। बैगी जींस, कोरियन ट्राउज़र्स, फ्लोरल ड्रेसेज़, पलाज़ो सेट्स और वायरल फैशन ट्रेंड्स के साथ यह सेल खासतौर पर युवा ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। सेल के दौरान **LeviÓs, Nike, Puma, Titan, Asics, Red Tape, Safari, Rare Rabbit ¥õÚU The Bear House** जैसे बड़े ब्रांड्स पर 90त्न तक की छूट मिलेगी। साथ ही **Scratch Cards, SuperCoins** और बैंक ऑफर्स भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगे। फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसीडेंट कपिल थिरानी ने कहा, ÷आज फैशन की पसंद और नए स्टाइल्स की खोज पर खासकर युवा पीढ़ी के बीच क्रिएटर्स, ऑनलाइन समुदायों और डिजिटल संस्कृति का बड़ा प्रभाव है। '**GRWM GRWM**' के जरिए हम पारंपरिक सीज़न एंड सेल को नए रूप में पेश कर रहे हैं, जो इस बात को दर्शाता है कि आज का युवा भारत फैशन को किस तरह देखता और अपनाता है। यह एक ताज़ा, ट्रेंड्स पर आधारित और आज की संस्कृति से जुड़ा खरीदारी अनुभव है। व्यक्तिगत पसंद के अनुसार सुझाव, आकर्षक फैशन डेस्टिनेशंस और बड़े व किफायती ब्रांड्स के चुने हुए विकल्पों के जरिए यह सेल देशभर के ग्राहकों तक नए फैशन ट्रेंड्स पहुंचा रही है। हम भारत के नए ग्राहकों के लिए फैशन को अधिक आसान, प्रासंगिक और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं और यह पहल उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।÷

## भारतीय एयरलाइंस ने घटाईं घरेलू उड़ानें, ईंधन महंगा, यात्री कम

**एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 10 से 22 फीसदी तक सेवाओं में की कटौती**

**नई दिल्ली ।**

भारत की प्रमुख विमानन कंपनियां, एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस, विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों और अपेक्षा से कम यात्री मांग के कारण अपनी घरेलू उड़ानों में अस्थायी रूप से 10 से 22 प्रतिशत तक की कटौती कर रही हैं। यह फैसला पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से बढ़ी परिचालन लागतों और हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के मद्देनजर लिया गया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार एयर इंडिया जून और जुलाई के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में 20-22 प्रतिशत की कटौती करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस जून के लिए अपनी घरेलू सेवाओं में 10 प्रतिशत की कमी कर रही है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए घरेलू उड़ानों में 12-15 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। ये सभी कटौती ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के तहत निर्धारित उड़ानों की तुलना में की गई हैं। एयर इंडिया प्रति सप्ताह लगभग 3,600 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, जिसमें 22 फीसदी की कटौती से प्रति सप्ताह 790 से अधिक सेवाएं प्रभावित होंगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की लगभग 2,400 घरेलू उड़ानों में 10 फीसदी से कम का असर होगा। वहीं, इंडिगो, जो प्रति सप्ताह लगभग 13,000 घरेलू उड़ानें संचालित करती है, ने

मांग में कमी और वार्षिक मौसमी समायोजन को भी इस कटौती का कारण बताया है।

एयरलाइंस का यह कदम लागतों को नियंत्रित करने और मौजूदा बाजार परिस्थितियों के अनुकूल होने की रणनीति का हिस्सा है।

## एशियाई शेयरों में गिरावट, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स लुढ़का

**नई दिल्ली।**

ईरान पर यूएस के नए हमले के बाद गुरुवार को एशियाई शेयर गिरे। जबकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स सुबह के कारोबार में भारत के समय के अनुसार, 1 फीसदी तक गिर गए। नैस्डैक फ्यूचर्स 0.9 फीसदी नीचे थे। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.41 फीसदी गिरे और डाउ जोन्स फ्यूचर्स 0.21 फीसदी फिसले, जो बाद में यूएस मार्केट के लिए कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। यूएस मिलिट्री ने ईरान के खिलाफ डिफेंसिव स्ट्राइक बताया, जिसके बाद एशियाई मार्केट में ज़्यादातर गिरावट देखी गई। एक दिन पहले तेज़ी से गिरने के बाद तेल की कीमतें भी यूएसडी 1 प्रति बैरल से ज़्यादा बढ़ गई। शुरुआती एशियाई ट्रेड में जापान का निक्केई 225 0.1 फीसदी से कम बढ़कर 65,039.78 पर आ गया, जबकि साउथ कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरकर 8,126.67 पर आ गया। हॉन्ग कॉन्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.9 फीसदी गिरकर 24,855.86 पर आ गया, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरकर 4,080 पर आ गया।

# भारत का ऊर्जा क्षेत्र रिकॉर्ड निवेश के लिए तैयार, 170 अरब पार होने की उम्मीद

**वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी**

**नई दिल्ली ।**

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का ऊर्जा क्षेत्र 2026 तक रिकॉर्ड 170 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का गवाह बनने वाला है। यह वृद्धि मुख्य रूप से सौर ऊर्जा और तेल शोधन के तीव्र विस्तार के दम पर होगी, क्योंकि देश बढ़ती ऊर्जा मांग व स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। आईईए की विश्व ऊर्जा निवेश 2026 रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच वर्षों में भारत में ऊर्जा निवेश औसतन 11 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा है। इस दौरान सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) में 25 प्रतिशत और तेल शोधन में 23 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। शोधन क्षेत्र में मजबूत निवेश से भारत 2030 तक अपनी क्षमता में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की ओर अग्रसर है। हालांकि, 2020 के बाद से तेल और गैस के अपस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश औसतन सात प्रतिशत प्रतिवर्ष घटा है। इसके विपरीत, भारत कोयला आपूर्ति में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है, जहां निवेश तीन गुना बढ़कर 2026 में 13 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऊर्जा व्यय में लगभग आधी हिस्सेदारी बिजली क्षेत्र की है। सौर निवेश 20 अरब डॉलर तक पहुंचने के दम पर भारत ने 2025 का गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य पांच साल पहले ही हासिल कर लिया। अब जीवाश्म ईंधन पर हर एक डॉलर के मुकाबले नवीकरणीय ऊर्जा पर तीन डॉलर का निवेश हो रहा है। देश ग्रिड आधुनिकीकरण और बैटरी भंडारण पर भी खर्च बढ़ा रहा है।

## नीति निर्माण को जमीनी रूप, वित्त मंत्रालय का राष्ट्रव्यापी उद्योग दौरा

**डीईए के वरिष्ठ अधिकारी बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का भी दौरा करेंगे**

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आर्थिक नीति निर्माण को सशक्त बनाने और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रबंधन हेतु उद्योग की जमीनी प्रतिक्रिया जानने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है। वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) इसके तहत देश भर में विनिर्माण इकाइयों और औद्योगिक समूहों का दौरा करेगा। यह पहल आर्थिक नीतियों को वास्तविक समय की जानकारी से जोड़ने और आगामी केंद्रीय बजट प्रस्तावों में साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण को मजबूत करने पर केंद्रित है।

डीईए के वरिष्ठ अधिकारी सूक्ष्म, लघु एवं मझोली विनिर्माण इकाइयों के साथ-साथ बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का दौरा करेंगे। इन दौरों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, नियामकीय अड़चनों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, वित्त तक पहुंच, कौशल की कमी और प्रौद्योगिकी अपनाने जैसी परिचालन एवं नीतिगत चुनौतियों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना है।

सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में मजबूती के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, रुपये में कमजोरी और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा जैसी समस्याओं ने निजी निवेश को असमान बना रखा है। इन समस्याओं की गहराई को समझने के लिए डीईए अधिकतम पांच सदस्यों के दल भेजेगा, जिनकी अगुवाई अतिरिक्त सचिव या संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे।

ये दल विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में दो से तीन दिन का दौरा करेंगे, जिसमें कम से कम दो स्टार्टअप से बातचीत भी शामिल होगी। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार दलों को विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, रोजगार एवं अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को कंपनियों और अधिकारियों के बीच बातचीत को सुगम बनाने को कहा गया है।

इन दौरों से प्राप्त विस्तृत क्षेत्रवार रिपोर्ट 10 दिन के भीतर आर्थिक कार्य सचिव को सौंपी जाएंगी, ताकि नीति निर्माण और क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके और जमीनी हकीकतों के अनुरूप लक्षित हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सकें।

## दिल्ली में बीएंडबी इकाई के लिए नया मसौदा जारी, आठ कमरों की अनुमति का प्रस्ताव

**सुरक्षा और स्वच्छता मानकों पर विशेष जोर; 30 दिनों में मांगे गए सुझाव**

**नई दिल्ली ।**

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आवासीय संपत्तियों में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) इकाइयों के संचालन के लिए एक नई मसौदा नीति जारी की है। इस नीति के तहत अब निजी घरों में अधिकतम आठ कमरों और 16 बिस्तरों तक की बीएंडबी इकाईयां संचालित करने की अनुमति दी जाएगी, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय निवासियों के लिए आय के नए अवसर पैदा करना है।

दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा जारी मसौदा प्रस्ताव में बीएंडबी इकाइयों को दो मुख्य श्रेणियों- गोल्ड और सिल्वर में वर्गीकृत करने की बात कही गई है। इन इकाइयों का वर्गीकरण कमरे के आकार, उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के आधार पर किया जाएगा।

गोल्ड श्रेणी के लिए कमरों का न्यूनतम आकार 120 वर्ग फुट और बेहतर सुविधाएं अनिवार्य होंगी, जबकि सिल्वर श्रेणी में 100 वर्ग फुट के कमरे और बुनियादी सुविधाएं पर्याप्त मानी जाएंगी। मसौदा नीति में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी बीएंडबी इकाइयों के लिए अतिथि रजिस्टर का रखरखाव, पुलिस सत्यापन और विदेशी मेहमानों से संबंधित नियमों का पालन अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, आग बुझाने का उपकरण, प्राथमिक उपचार किट और आपातकालीन संपर्क विवरण रखना भी आवश्यक होगा। नीति में सीसीटीवी कैमरों को केवल प्रवेश द्वार और सामान्य क्षेत्रों तक सीमित रखने का भी प्रस्ताव है, ताकि मेहमानों की निजता सुनिश्चित की जा सके।

स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, कमरों और साझा स्थानों की नियमित सफाई, कचरे का उचित पृथक्करण और पर्याप्त खुली हवा सुनिश्चित करनी होगी। परिसर में मालिक या एक केयरटेकर की उपलब्धता भी अनिवार्य रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह नीति केवल आवासीय संपत्तियों पर लागू होगी और इन इकाइयों में रेस्टोरेंट, बार या किसी अन्य व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। इस कदम से पर्यटकों को किफायती और स्थानीय अनुभव वाले ठहराव का विकल्प मिलेगा, जिससे दिल्ली का पर्यटन क्षेत्र मजबूत होगा। इस मसौदा नीति पर हितधारकों और आम जनता से 30 दिनों के भीतर सुझाव मांगे गए हैं, जिसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

# होर्मुज व्यवधान के बीच तेल कंपनियों का मुनाफा सामान्य, अप्रत्याशित लाभ नहीं

**लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना**

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 77,821 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा संकट-प्रेरित अप्रत्याशित लाभ नहीं, बल्कि सामान्य लाभप्रदता की वापसी को दर्शाता है, जो देश की ऊर्जा सुरक्षा और शोधन क्षमता के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है। विपक्षी दलों की आलोचना वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 130 फीसदी को लेकर रही है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में लाभ घटकर 33,602 करोड़ रुपए हो गया था क्योंकि ओएमसी ने घरेलू एलपीजी कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए 40,434 करोड़ रुपए का घाटा उठाया था। इस एकमुश्त बोझ को समायोजित करने पर, मौजूदा लाभप्रदता वित्त वर्ष 2023-24 के 80,986 करोड़ रुपए के संयुक्त लाभ के करीब है। करीब 20 लाख करोड़ रुपये के संयुक्त कारोबार पर तीन से चार प्रतिशत का शुद्ध मुनाफा वैश्विक शोधन मानकों के अनुरूप है। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि यह आय पूंजीगत व्यय, रिफाइनरी उन्नयन और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरी है। लक्ष्य 2030 तक शोधन क्षमता को 31 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक तक बढ़ाना है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि का भी बचाव किया है, यह बताते हुए कि भारत में बढ़ोतरी पड़ोसी देशों से सीमित रही है।

# क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निमार्ताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

## संपादकीय

### मूल्यांकन पर आंच

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया।

## चिंतन-मनन

### वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाश्त्र के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए।

डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

# गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

कांतिलाल मांडोत

*कांगो से आए युवक में संक्रमण की आशंका से स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट...*

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई।

इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है।

अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है।

यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

# दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे ह्यअंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवसह्ल के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बफीर्ली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बफीर्ली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बफीर्ले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### उ. कोरिया ने छोटी दूरी की मिसाइलों व कई प्रक्षेपास्त्रों को दागा

**प्योंगयांग, एजेंसी।** दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने देश के पश्चिमी तट के पास के समुद्र की ओर कई मिसाइलें दागीं हैं। इनमें एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। उसने कहा, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के चोंगजू के पास से दागी गईं, जो करीब 80 किमी दूर तक गईं। 19 अप्रैल के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला ज्ञात मिसाइल प्रक्षेपण है, जब देश ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें टेस्ट कीं। वे क्लस्टर बमों से लैस थीं।

### बेल्जियम में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन दो छात्रों समेत चार की मौत

**बुगेनहाउट , एजेंसी।** बेल्जियम के बुगेनहाउट शहर में मंगलवार को रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन और स्कूल वैन की टक्कर में दो विशेष जरूरत वाले छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 12 और 15 वर्ष के दो छात्रों, 49 वर्षीय वैन चालक और 27 वर्षीय महिला परिचारिका की जान गई। वैन सात छात्रों को स्कूल लेकर जा रही थी।

### कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं। ?पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं। आरोपियों का संबंध 24 घटनाओं से है, जिनमें फॉर ब्रदर्स से जुड़ी 16 हिंसक घटनाएं शामिल हैं।

### तिब्बती संस्कृति पर चीन के दृष्टिकोण को दी गई चुनौती

**बीजिंग, एजेंसी।** केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधीन प्रमुख सांस्कृतिक संस्था तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान (टीआईपीए) ने चीन पर उनकी पहचान को मिटाने और विकृत करने का आरोप लगाया है। उसने चेक गणराज्य में दो दशकों के बाद आयोजित एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर चीन को चुनौती दी कि उसका दृष्टिकोण तिब्बती संस्कृति को लेकर गलत है। इस कार्यक्रम में तिब्बत में बीजिंग की नीतियों पर चिंता भी जताई गई। प्राग में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तिब्बती संगीत, ओपेरा और पारंपरिक नृत्य को यूरोपीय दर्शकों के सामने पेश किया गया।

### बांग्लादेश ने आईएमएफ से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है। सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

## ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

**क्या है पूरा मामला :** कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

**गर्मियों के अंत में दायर की जाएगी याचिका :** खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (ष्टरु) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

## बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था।

# होर्मुज में अमेरिकी हमले से तनाव

## ईरान ने दी इजरायल को मिटाने की बड़ी धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के बीच हालात फिर से बहुत ज्यादा विस्फोटक और तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका ने होर्मुज और बंदरअब्बास इलाके में ईरानी नौसेना की नावों और मिसाइल ठिकानों को अपना सीधा निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने बेहद आक्रामक बयान देते हुए अपनी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस नए हमले के बाद इजरायल का दुनिया के नक्शे से मिटना अब पूरी तरह से तय है।

ईरान की इस खतरनाक धमकी को वेस्ट एशिया में संभावित बड़े सैन्य टकराव की एक बहुत ही गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भयंकर हमले के कुछ घंटे पहले ही ईरान के साथ शांति की उम्मीद जताई थी। लेकिन अचानक हुए इस बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक नए और भयानक महायुद्ध की गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को करारा जवाब देकर उसका खतरनाक मकसद पूरी तरह से नाकाम कर दिया है।

### अमेरिकी सेना का स्पष्टीकरण

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बहुत ज्यादा और सीधा खतरा हो सकता था। इसी गंभीर खतरे को तुरंत रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना ने यह कड़ा और बहुत ही अहम सैन्य कदम उठाया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि युद्धविराम के दौरान भी अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा रहेगी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इसे युद्धविराम का सीधा उल्लंघन बताया है और बहुत कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने फारस की खाड़ी में घुसपैठ करने वाले एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय है और वह अमेरिका के रूक्त-9 रीपर ड्रोन पर बड़ी कार्रवाई कर चुका है।

### अमेरिकी जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने यह भी बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के निगरानी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट पर भी लगातार फायरिंग की है। इस भारी फायरिंग के बाद अमेरिकी विमानों को अपनी जान बचाकर पीछे हटने के लिए पूरी तरह से मजबूर होना पड़ा है। ईरान ने साफ कहा है कि यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो इस बार उनका जवाब पहले से बहुत ज्यादा गंभीर होगा।

ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि हमने अपने सभी जरूरी टारगेट तय कर लिए हैं और हम युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान को तेल निर्यात से रोका गया तो पूरे क्षेत्र से तेल सप्लाई हमेशा के लिए रुक जाएगी। ईरान ने यह भी दोहराया कि रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट पर केवल उसी का नियंत्रण हमेशा के लिए पूरी तरह से बना रहेगा।

## वाशिंगटन की पेपर मिल में बड़ा हादसा

### केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत

**सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी।** अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के लॉन्गव्यू शहर में एक पल्प और पेपर मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक संयुक्त बयान में निप्पॉन डायनाववे पैकेजिंग कंपनी और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि टैंक फटने की वजह से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ की जान चली गई। हालांकि, अब तक मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। स्थानीय पुलिस, फायर विभाग और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह निप्पॉन डायनाववे पैकेजिंग फैक्ट्री में व्हाइट लिकर नाम के केमिकल वाला टैंक फट गया। यह केमिकल कागज बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है।

वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने सोशल मीडिया पर हादसे में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और कहा कि राज्य के इकोलॉजी विभाग की टीमों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम और मैं लॉन्गव्यू में हुए इस बड़े केमिकल विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारे राज्य के इकोलॉजी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि इस हादसे में लोगों की जान गई है। मेरी संवेदनाएं कर्मचारियों, उनके परिवारों और राहत-बचाव में लगे लोगों के साथ हैं।'

लॉन्गव्यू फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि वह निप्पॉन डायनाववे फैक्ट्री में हुए खतरनाक केमिकल हादसे पर काम कर रहा है। केमिकल ट्रीटमेंट वाले बड़े टैंक के फटने से कई लोग झुलस गए और घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने को कहा गया है, ताकि राहत और बचाव का काम आसानी से चल सके। यह फैक्ट्री वाशिंगटन और ओरेगन की सीमा के पास कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी के अनुसार, यहां क्राफ्ट पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। फिलहाल हादसे की वजह की जांच की जा रही है।

आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई लोगों को जहरीली गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

## बेल्जियम में स्कूल बस की ट्रेन से भीषण टक्कर, कई लोगों की मौत से मचा हड़कंप

**ब्रसेल्स, एजेंसी।** बेल्जियम में ट्रेन ने एक स्कूल बस को तेज टक्कर मारी है। इस भीषण हादसे में बस में सवार स्टाफ और बच्चों में से कई लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेथानीय समय के अनुसार, सुबह 8.15 मिनट पर हुआ है। बता दें कि जब ट्रेन गुजर रही थी तो फाटक बंद था और लाल बत्ती जल रही थी। फिलहाल, ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और इमरजेंसी सर्विस मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरी बेल्जियम में सात बच्चों को ले जा रही एक स्कूल मिनीबस को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बुगेनहौट गांव में एक लेवल क्रॉसिंग पर टक्कर के बाद बस में सवार कई लोगों की मौत हो गई है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनीबस में सात बच्चे, एक सुपरवाइजर और एक ड्राइवर सवार थे। बेल्जियम पुलिस ने फिलहाल इस घटना में मौतों की संख्या कन्फर्म करने से मना कर दिया है। स्पोक्सपर्सन फ्रेडरिक सैक्रे ने कहा कि टक्कर बहुत ज़ोरदार थी और मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।यूरोपीय यूनियन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हादसे पर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज, यूरोप बेल्जियम के दुख में साथ खड़ा है। बेल्जियम के गृह मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने भी इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा कि मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं घायलों के साथ खड़ा हूं।

## बीपी ने चेयरमैन को हटाया, कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था।

इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी सीआरएच के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया।

## 'अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक': एंटोनियो गुटेरेस

**न्यूयार्क, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

### संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद : गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव

ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है।

### सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल

गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र

महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

### चुनौतियों से निपटने के लिए तीन-आयामी रणनीति

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

# आक्रामकता, पुरुषों की ताकत औरतों की कमजोरी!

**वॉशिंगटन।** यदि आप जिरह के दौरान आक्रामक रुख अख्तियार करने की आदत रखते हैं और पुरु ष हैं तो यह आपको प्रभावशाली बनाता है लेकिन औरतों के मामले में इसका नकारात्मक असर होता है। मानवीय व्यवहारों से संबंधित पत्रिका ''जर्नल लॉ एंड ह्यूमन बिहेवियर' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अपने तर्क को आक्रामक तरीके से रखने वाले पुरु ष सामने वालों को प्रभावित करते हैं जबकि औरतें आक्रामक होने के बाद अपेक्षाकृत कम प्रभावी हो जाती हैं। इस अध्ययन की सहायक लेखिका जेसिका सालेर्नो ने कहा कि आक्रामक होकर सामने वालों को प्रभावित करने की क्षमता संभवत- औरतों में नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन में हर उस औरत के लिए गहरे निहितार्थ हैं जो कामकाज में या निजी जिंदगी के अपने फैसलों में प्रभाव लाना चाहती हैं। सालेर्नो ने कहा कि यदि कोई महिला राजनेता बहस के दौरान आक्रामक तरीके से अपना पक्ष रखती है तो वह लोगों को कम प्रभावित कर पाती है वहीं, इसकी संभावना है कि बिना आक्रामकता के अपना पक्ष रखने पर वह अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित साबित हो ।इस अध्ययन में स्नातक के 210 विद्यार्थियों को शामिल किया गया था और उन्हें एक आदमी द्वारा अपनी पत्नी की हत्या करने के प्रयास से संबंधित एक सच्ची घटना से जुड़ी 17 मिनट की फिल्म दिखाई गई। अध्ययन के प्रतिभागियों को इस केस के सारे वक्तव्य एवं गवाहों के बयान पढ़ाए गए तथा उन्हें घटनास्थल एवं इस्तेमाल किए गए हथियार की तस्वीर दिखाई गई। सभी प्रतिभागियों ने एक समान तकरे को ध्यान से पढ़ा लेकिन कुछ लोगों ने आक्रामक तरीके से अपनी बात रखी जबकि कुछ ने भय के साथ तथा बाकियों ने भावुक होकर सामान्य तरीके से अपना पक्ष रखा। अध्ययन करने वाले शोधार्थियों ने पाया कि आदमियों द्वारा आक्रामकता दिखाने के बाद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा कम हुआ जबकि औरतों द्वारा ठीक पुरु षों जैसी भाव-भंगिमा एवं वैसी ही आक्रामकता के साथ एकसमान पक्ष रखने के बावजूद प्रतिभागियों का अपने मत के प्रति भरोसा पुख्ता हुआ।

# आपके धूम्रपान से बांझ हो सकती है पत्नी!

■ एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है

■ जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है

**नई दिल्ली।** किसी का धूम्रपान दूसरों को ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। आप के द्वारा छोड़ा गया धुंआ आपको तो बीमार कर ही रहा है साथ ही आपके आसपास के लोगों को भी बीमार व कैंसर जैसी भयानक बीमारी दे रहा है। एक नए शोध के मुताबिक, धूम्रपान की लत से महिलाओं में बांझपन का खतरा बढ़ सकता है। धूम्रपान की बढ़ती लत और तंबाकू सेवन करने वाली महिलाएं बांझपन और रजोनिवृति का शिकार हो सकती है। एक नए शोध के मुताबिक, यह चेतावनी दी गई है कि एक्टिव और पैसिव दोनों प्रकार के धूम्रपान से महिलाओं में बांझपन और समय से पहले रजोनिवृति का खतरा बढ़ जाता है। शोध के मुताबिक, धूम्रपान के जरिए तंबाकू के शरीर में अंदर जाने से मीनपॉज यानी रजोनिवृति एक या दो साल पहले हो सकता है। जो महिलाएं धूम्रपान नहीं करती हैं उन्हें भी इस मुसीबत का पैसिव स्मोकिंग के जरिए सामना करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क के ''रोजवेल पार्क कैंसर इंसीट्यूट' में किए गए शोध के मुताबिक, इस सर्वे के तहत यह बात साफ हो जाती है कि धूम्रपान एक्टिव हो या पैसिव दोनों प्रकार से महिलाओं में बांझपन और रजोनिवृति के लिए खतरा बन सकता है। शोध में यह कहा गया है कि धूम्रपान के जरिए शरीर में जा रहे तंबाकू महिलाओं के प्रजनन तंत्र पर विपरीत प्रभाव डालने के साथ उनके हार्मोनल संतुलन को भी खराब कर देता है। ''वर्ल्ड हेल्थ इनिशिएटिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी' के तहत इस शोध में 93,000 महिलाओं को शामिल किया गया। प्रजनन तंत्र पर विपरीत असर पड़ने से गर्भवती होने में महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जबकि हार्मोनल संतुलन बिगड़ने से समय पूर्व रजोनिवृति का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही कैंसर का एक बड़ा खतरा भी सताता रहता है।

# अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

**पेइचिंग।** भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है।

■ यदि आप एक स्वस्थ वयस्क हैं तो आपको प्रति दिन सिर्फ एक छोटा चम्मच नमक लेने की जरूरत है

■ कोशिकाओं से होने वाले नुकसान को विटामिन 'सी' के माध्यम से कम किया जा सकता है

एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है।

कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

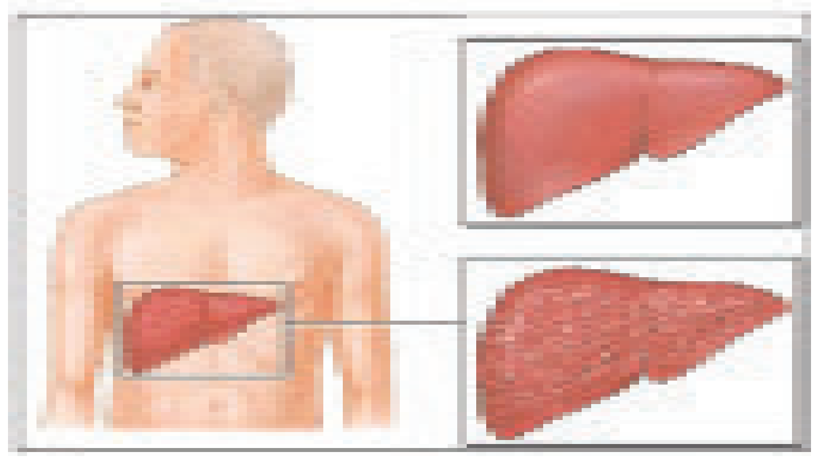

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

**मिथुन** — का की कू घ ड छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

## लॉफिंग ज़ोन

एक घबराया हुआ-सा नाटा आदमी छोटे शहर के एक सब्जी फरोश के पास गया और बोला- 'मुझे आप अपनी सारी सडी-गली सब्जियां तथा बासी अण्डे दे दीजिए।'

दुकानदार की आंखों में चमक आ गई। बोला-'शायद आज आप थियेटर में नए जोकर का तमाशा देखने जा रहे हैं?'

खरीददार बोला-'इतना ऊंचे मत बोलो! दरअसल नया जोकर मैं ही हूं।'

❑ ❑ ❑

पति द्वारा पत्नी को चांटा मारने पर पत्नी अपने पिता के पास शिकायत लेकर पहुंची।

पिता ने पूछा-'तुम्हारे पति ने चांटा कहां मारा?'

दायीं ओर। बेटी ने कहा। पिता ने उसके बायें गाल पर तड से तमाचा जडते हुए कहा-'जाओ, अपने पति से कहना कि उसने मेरी बेटी को मारा मैंने उसकी पत्नी को मारकर बदला ले लिया।'

❑ ❑ ❑

दो बच्चो जंगल में पौटी कर रहे थे, अचानक शेर आ गया।

पहला- छोटू तू डर रहा है।

दूसरा - नहीं मैं नही डरता।

पहला - तो साले अपनी धो मेरी क्यों धो रहा है।

## काकुरो पहेली -4068

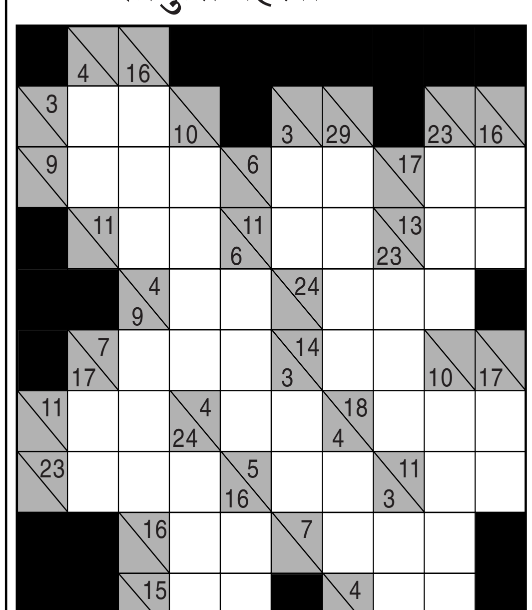

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

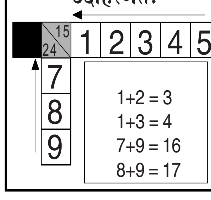

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

**काकुरो -4067 का हल**

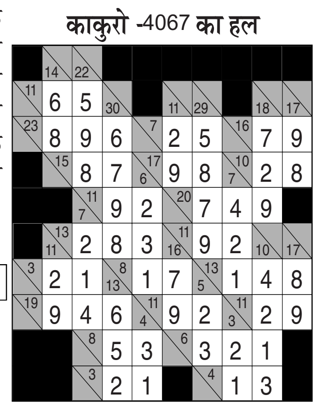

## फिल्म वर्ग पहेली- 4068

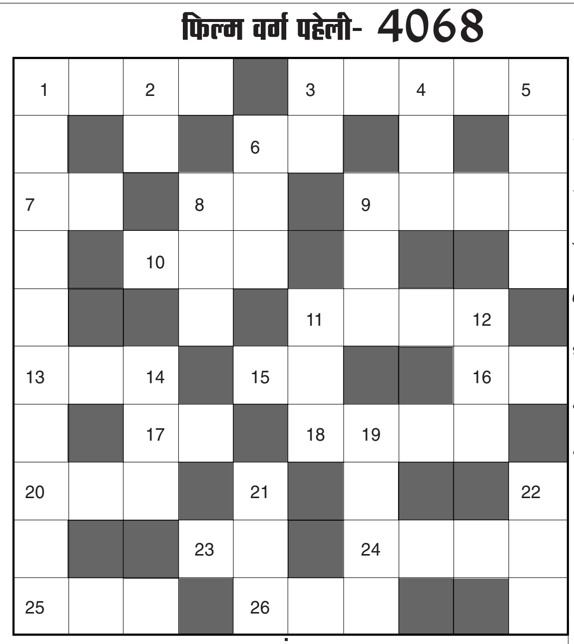

**बायें से दायें:-**

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

**फिल्म वर्ग पहेली- 4067**

## सूडोकु -4068

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | 1 | | 2 | | 3 | 8 |
| | | | 4 | | 5 | | | |
| 2 | | | | | | | | 5 |
| | | 3 | | 5 | | 4 | 8 | |
| | 7 | | | | | | 1 | |
| | 5 | 8 | | 6 | | 9 | | |
| 8 | | | | | | | | 1 |
| | | | 2 | | 9 | | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | 5 | 2 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -4067 हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | 2 | 3 | 5 | 8 | 9 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 7 | 9 | 2 | 6 | 3 | 5 | 4 |
| 3 | 5 | 9 | 1 | 7 | 4 | 8 | 2 | 6 |
| 6 | 4 | 1 | 5 | 3 | 7 | 2 | 8 | 9 |
| 2 | 7 | 5 | 8 | 4 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 6 | 9 | 5 | 7 | 4 | 8 |
| 5 | 9 | 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 3 |
| 7 | 8 | 6 | 4 | 1 | 3 | 5 | 9 | 2 |

## शब्द पहेली - 4068

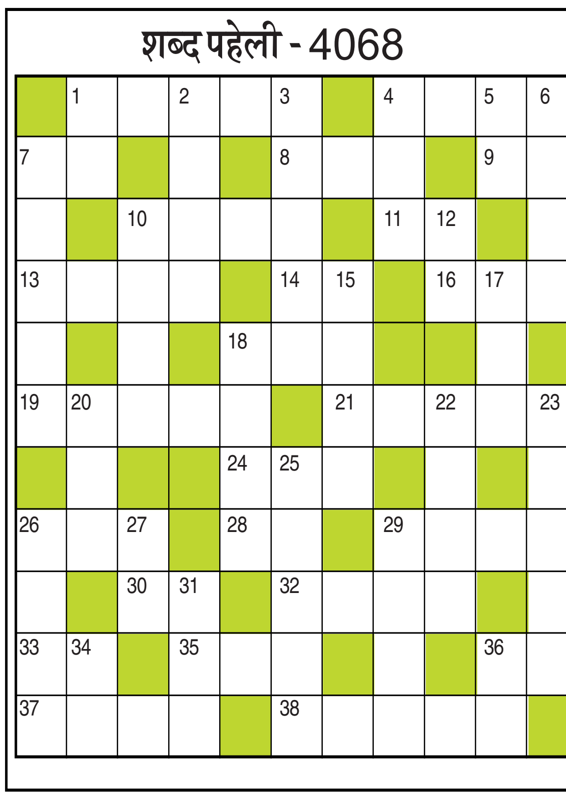

**बाएँ से दाएँ**

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

**ऊपर से नीचे**

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

**शब्द पहेली 4067 का हल**

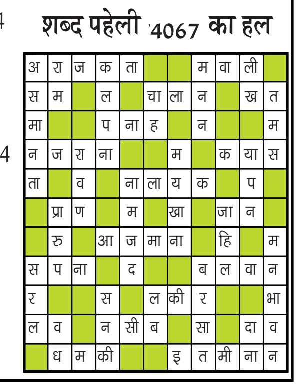

## राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति का पुलिस कलर' प्रदान किया

**एजेंसी**

**गंगटोक।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सिक्किम पुलिस को राष्ट्रपति का पुलिस कलर प्रदान किया है। राष्ट्रपति ने राजधानी गंगटोक के पाल्जोर स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह के बीच सिक्किम पुलिस को यह अलंकरण प्रदान किया। यह पुरस्कार सिक्किम पुलिस को कानून और व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, आधुनिकीकरण और सिक्किम पुलिस के नवीनीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया है। सिक्किम यह पुरस्कार प्राप्त करने वाला देश का 15वां राज्य बन गया है। इस अवसर पर राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, मंत्रीगण, विधायकगण, सिक्किम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

## कोएम्प्ट एडुटेक को ठेका देने के आरोपों को सीबीएसई ने खारिज किया

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बोर्ड परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन के लिए कोएम्प्ट एडुटेक को ठेका दिए जाने को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। बोर्ड ने कहा कि लगाए गए आरोप तथ्यहीन, भ्रामक और गलत जानकारी पर आधारित हैं। सीबीएसई ने बयान जारी कर कहा कि एजेंसी को ठेका देने की प्रक्रिया में सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) के प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया गया है। बोर्ड ने बताया कि वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन संबंधी निविदा (आरएफपी) 28 अगस्त 2025 को केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर जारी की गई थी। बोर्ड के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत पात्र बोलीदाता का चयन करने के बाद ही अनुबंध प्रदान किया गया। सीबीएसई ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के अनुरूप संपन्न की गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि सीबीएसई परीक्षा परिणामों में बड़े पैमाने पर हेरफेर हुआ है, जिससे लाखों विद्यार्थी और उनके अभिभावक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया था कि कोएम्प्ट एडुटेक पहले 'ग्लोबारिना' नाम से तेलंगाना में विवादों में रही है और इसके बावजूद कंपनी को ठेका दिया गया। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि यह केवल गलती नहीं बल्कि एक 'सोचा-समझा षड्यंत्र' है।

## महाराष्ट्र में जल संसाधन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक

**नई दिल्ली।** केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की उपस्थिति में महाराष्ट्र में जल संसाधन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। जल शक्ति मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आज केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में महाराष्ट्र में जल संसाधन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई पवार एवं महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रिगण राधाकृष्ण विखे पाटिल, गिरीश महाजन, गुलाबराव पाटिल और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकारें प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए जल शक्ति मंत्रालय एवं महाराष्ट्र राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से जल संसाधन प्रबंधन, जल जीवन मिशन, सिंचाई अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा जल संचय जनभागीदारी योजना के बेहतर क्रियान्वयन सम्बन्धी विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसमें महाराष्ठ के सभी जिला कलेक्टर, नगर आयुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक से जुड़े।

## विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो से गूंजा योग का संदेश, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का 25 दिवसीय काउंटडाउन शुरू

**छतरपुर।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का 25 दिवसीय काउंटडाउन शुरू हो गया है। इसके लिए मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं सांस्कृतिक नगरी खजुराहो में आयोजित भव्य काउंटडाउन महोत्सव में योग का संदेश दिया गया। कार्यक्रम से प्रदेशभर की आयुष संस्थाएं वर्चुअली जुड़ीं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 का मुख्य समारोह 21 जून को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने खजुराहो में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली में योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। जाधव ने कहा कि भारत की पारंपरिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना से समृद्ध कोलकाता आईडीवाई 2026 के मुख्य आयोजन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का प्रतीक है और निवारक स्वास्थ्य सेवा एवं संतुलित जीवनशैली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री जाधव ने कहा कि खजुराहो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के कारण भारत की प्राचीन परंपराओं और वेलनेस संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है तथा इसमें वैश्विक योग एवं वेलनेस केंद्र बनने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप आयुष मंत्रालय योग को गांव-गांव, घर-घर, विद्यालयों, कार्यालयों और समुदायों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

# सिक्किम भी देश का पूर्ण साक्षर राज्य बना, राष्ट्रपति ने दी बधाई

**एजेंसी**

**गंगटोक।** सिक्किम भी देश का पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने राजधानी गंगटोक में आयोजित सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में इस उपलब्धि की घोषणा की। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उल्लास-नए भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पूर्ण साक्षरता का दर्जा प्राप्त करने के लिए सिक्किम की जनता और सरकार को बधाई दी, जो 2027 के लिए निर्धारित राष्ट्रीय लक्ष्य से काफी पहले है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिक्किम की सरकार और लोगों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है। उन्होंने शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी पर खुशी व्यक्त करते हुए साक्षरता को सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का एक प्रमुख साधन बताया। मुख्यमंत्री तमांग ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की

सिक्किम यात्रा के दौरान उल्लास-नए भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सिक्किम को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित करने पर सिक्किम के लोगों को हार्दिक बधाई दी है।मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह उपलब्धि हमारे राज्य की शैक्षिक और सामाजिक प्रगति में एक निर्णायक मील का पत्थर है। यह हमारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि ज्ञान, गरिमा, सशक्तिकरण और समावेशी विकास की इस यात्रा में कोई भी वयस्क नागरिक पीछे न रह जाए। दूरदराज के गाँवों से लेकर हर ब्लॉक और ग्राम पंचायत तक यह अभियान समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ सिक्किम के हर नुक्कड़ और कोने तक पहुँच गया है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस चीज ने इस उपलब्धि को वास्तव में प्रेरणादायक बनाया, वह था शिक्षार्थियों का साहस, दृढ़ संकल्प और उत्साह, जिनमें से कई ने अपने जीवन में पहली बार पढ़ना और लिखना सीखा था। उनका दृढ़ संकल्प साक्षर सिक्किम की सच्ची भावना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग, सभी स्वयंसेवी शिक्षकों, अधिकारियों और इस अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति हार्दिक आभार और सराहना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए सभी की निस्वार्थ सेवा, करुणा, धैर्य और अटूट प्रतिबद्धता ने इस परिवर्तनकारी पहल को एक बड़ी सफलता दिलाई है। उन्होंने कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं है, यह सशक्तिकरण, आत्मविश्वास, सामाजिक समानता और प्रगति की नींव है।

## पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार उपलब्ध, सरकार की अपील- अफवाहों पर न दें ध्यान

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार का कहना है कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार है और घरेलू और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करने में कोई समस्या नहीं है। देश की 22 चालू रिफाइनरियों की कुल स्थापित क्षमता 2581 लाख टन प्रतिवर्ष है। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों, राज्य सरकारों और उद्योग निकायों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, फिक्की तथा सीआईआई के साथ स्थिति की समीक्षा की है। समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की वास्तविक कमी नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल के बीच उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि का पूरा बोझ खुदरा ग्राहकों पर नहीं डाला। इसके कारण कंपनियां पेट्रोल, डीज़ल और घरेलू एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि कुछ औद्योगिक उपभोक्ता थोक खरीद के बजाय खुदरा पंपों से ईंधन खरीद रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर मांग बढ़ रही है और कमी का भ्रम पैदा हो रहा है। निजी कंपनियों की डीज़ल बिक्री में इस महीने लगभग 38 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है।

# गुजरात में इबोला का पहला संदिग्ध मामला, वडोदरा का युवक अहमदाबाद में भर्ती

**एजेंसी**

**अहमदाबाद।** अफ्रीकी देश कांगो में इन दिनों इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत में अब तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। इसी के चलते गुजरात सरकार भी सतर्क हो गयी है और अफ्रीकी देशों से आने वाले लोगों को होम आइसोलेशन में रखा जा रहा है। मुंबई के रास्ते वडोदरा पहुंचे 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे संदिग्ध लक्षण मिलने के बाद उसे अहमदाबाद की सिविल अस्पताल में भर्ती कर 11 दिनों के लिए क्वारंटीन किया गया है। उसके ब्लड सैंपल लेकर विभिन्न जांचें की जा रही हैं।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने बताया कि युवक कांगो से मुंबई होते हुए वडोदरा पहुंचा था। एहतियात के तौर पर उसे निगरानी में रखा गया है। अब तक उसकी किसी भी रिपोर्ट में इबोला की पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संदिग्ध मरीज के संपर्क में आए एक डॉक्टर और दो अन्य लोगों को भी सावधानी के तौर पर क्वारंटीन किया गया है। सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए

हुए है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि फिलहाल भारत या गुजरात में इबोला का कोई भी कन्फर्म केस सामने नहीं आया है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) ने भी विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। युगांडा, दक्षिण सूडान और कॉंगो से अहमदाबाद आने वाले लोगों की एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग की जा रही है और उन्हें होम आइसोलेशन में रखा जा रहा है। एसवीपी अस्पताल में इबोला संदिग्ध मरीजों के लिए 60 बेड का अलग वार्ड तैयार किया गया है।एएमसी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी ने बताया कि राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार एयरपोर्ट, सिविल अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय बनाकर निगरानी की जा रही है। पिछले तीन दिनों में युगांडा से 11 लोग अहमदाबाद पहुंचे हैं। इनमें थलतेज के 10 और जोधपुर क्षेत्र का 1 व्यक्ति शामिल है। सभी को होम आइसोलेशन में रखा गया है। किसी में भी फिलहाल कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं और न ही वे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि यदि इन देशों से आने वाले किसी यात्री में लक्षण पाए जाते हैं तो उसे तुरंत सिविल अस्पताल में भर्ती कर संदिग्ध मरीज के तौर पर निगरानी में रखा जाएगा। फिलहाल गुजरात में इबोला का कोई पॉजिटिव मामला दर्ज नहीं हुआ है।

# गृह राज्य मंत्री ने भारत-नेपाल सीमा का किया दौरा, जवानों का बढ़ाया मनोबल

**एजेंसी**

**धारचूला।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पिथौरागढ़ जिले के धारचूला स्थित भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं और सीमा प्रबंधन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

सेना हेलीपैड पहुंचने पर गृह राज्य मंत्री का स्वागत आईजी अमित कुमार,उप महानिरीक्षक सुधांशु नौटियाल,पिथौरागढ़ के पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे और अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने किया। इस दौरान भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के आईजी मनु महाराज भी मौजूद रहे। गृह राज्य मंत्री ने काली नदी पर बने इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के धारचूला झूला पुल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सशस्त्र सीमा बल की 11वीं वाहिनी डीडीहाट के कमांडेंट डॉ. अतुल कुमार राय, उपजिलाधिकारी आशीष जोशी और सहायक कमांडेंट दीपक सापकले ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में किया। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बल देश की पहली सुरक्षा पंक्ति हैं और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में उनका समर्पण पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक है। दौरे के

सुरक्षा प्रबंधन और बॉर्डर इंटरैक्शन टीम (बीआईटी) की कार्यप्रणाली को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद नित्यानंद राय ने बीओपी धारचूला पहुंचकर जवानों से संवाद दौरान गृह राज्य मंत्री ने बीओपी परिसर में चंदन का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। निरीक्षण और सुरक्षा समीक्षा कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# सड़क हादसे में छह की मौत, तीन घायल

**एजेंसी**

**बांदा।** उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा के बिसंडा कस्बे में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। तेज रफ्तार मौरंग से भरे ट्रेलर ने पहले सेवानिवृत्ति शिक्षक और फिर ई रिक्शा सवारों को कुचल दिया, जिससे सेवानिवृत्त शिक्षक समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार, शाम करीब छह बजे खुरहंड की ओर से आ रहा मौरंग लदा ट्रेलर बिसंडा कस्बे की नहर के पास अनियंत्रित हो गया। इस दौरान ट्रेलर की चपेट में आने से साइकिल से जा रहे ग्राम घूरी निवासी 61 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक रामेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रेलर लेकर भागने लगा। स्थानीय लोगों ने बाइक से उसका पीछा किया। इसी दौरान नाथू तालाब के पास तेज रफ्तार ट्रेलर

ने सामने से आ रहे ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा में सवार ग्राम कोर्रही निवासी 48 वर्षीय ममता, 45 वर्षीय राकेश, 12 वर्षीय शहबाज और 25 वर्षीय मुबीन की मौत हो गई। बाद में घायलों में सोहन लाल की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हादसे में ई-रिक्शा में मौजूद पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए सीएचसी अतर्रा भेजा गया। घटना से आक्रोशित कस्बेवासियों ने सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे सीओ बबेरू कृष्णकांत त्रिपाठी ने लोगों को समझा बुझा कर जाम खुलवाया। पुलिस ने ट्रेलर चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। इस संबंध में जिला अधिकारी अमित आसेरी ने बताया कि आज थाना बिसण्ड़ा क्षेत्र में बिसण्ड़ा ओरन रोड़ पर एक ट्रक चालक ने साइकिल को टक्कर मार दी । जिससे साइकिल चालक की मौके पर ही दुःखद मृत्यु हो गई । टक्कर मारने के उपरांत ट्रक चालक भाग रहा था तब कुछ दूर जाकर ट्रक एक ई-रिक्शा पर पलट गया । जिसमें मौके पर चार ई-रिक्शा पर सवार सवारियों की दुःखद मृत्यु हो गई है व इलाज के दौरान एक अन्य घायल की भी मृत्यु हो गई। व तीन लोगों का इलाज सुचारु रुप से चल रहा है। अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

## असम में देखी गयी दुर्लभ प्रजाति की बेंट-टोएड गेको छिपकली

**एजेंसी**

**ग्वालपारा (असम)।** असम के ग्वालपारा जिले स्थित उरपाद बील (झील) में दुर्लभ प्रजाति की बेंट-टोएड गेको छिपकली (साइर्टोडैक्टिलस बापमे) देखी गई है। इसे राज्य की समृद्ध जैव विविधता के लिए एक महत्वपूर्ण खोज माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रजाति पहली बार असम में आधिकारिक रूप से दर्ज की गई है। शोधकर्ताओं और संरक्षणवादियों ने इस खोज को असम के वेटलैंड और वन पारिस्थितिकी तंत्र की समृद्धि का महत्वपूर्ण संकेत बताया है। उनका कहना है कि यह क्षेत्र अब भी कई दुर्लभ और कम ज्ञात प्रजातियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान कर रहा है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इस खोज को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि असम की प्रकृति लगातार नए आश्चर्य प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि उरपाद बील में बेंट-टोएड गेको का पहला पक्का रिकॉर्ड राज्य के इकोसिस्टम द्वारा समर्थित असाधारण जैव विविधता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर संरक्षण प्रयास नाजुक आवासों को सुरक्षित रखने में मदद कर रहे हैं, जहां विभिन्न प्रजातियां फल-फूल रही हैं। उरपाद बील लंबे समय से अपने पारिस्थितिक महत्व के लिए जाना जाता है और यह कई जलीय एवं स्थलीय जीवों का प्राकृतिक आवास रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दुर्लभ गेको प्रजाति की मौजूदगी पर्यावरण संरक्षण और आवास सुरक्षा उपायों की सफलता को दर्शाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि बेंट-टोएड गेको साइर्टोडैक्टिलस वंश से संबंधित है, जो विश्वभर में गेको की सबसे विविध प्रजातियों में गिना जाता है। इस समूह की कई प्रजातियां सीमित आवास क्षेत्रों में पाई जाती हैं और पर्यावरणीय बदलावों के प्रति अत्यंत संवेदनशील मानी जाती हैं। संरक्षणवादियों ने पूर्वोत्तर भारत के वेटलैंड, जंगल और अन्य प्राकृतिक इकोसिस्टम की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि दुर्लभ और स्थानिक वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए निरंतर वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यावरणीय निगरानी बेहद आवश्यक है।

# मप्र: सिंहस्थ 2028 को 'ग्रीन सिंहस्थ' बनाने की तैयारी: उज्जैन में लगेंगे 10 लाख पौधे

**एजेंसी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ 2028 महापर्व (महाकुंभ) को 'ग्रीन सिंहस्थ' थीम पर विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत नई सड़कों, पंचक्रोशी मार्ग, शिप्रा नदी पर नवीन घाटों के किनारों पर फल-फूलदार पौधों को रोपण किया जाएगा। विकास कार्यों को कराने वाले विभागों को 10 लाख पौधा रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला कार्यालय में हुई सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए पौधारोपण करने के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक में विभागों को सात दिन में पौधारोपण करने की प्लानिग करने के निर्देश दिए है। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे। बैठक में सिंहस्थ महापर्व के आयोजन के पहले तैयार हो रही नवीन सड़कें, नए घाट और पंचक्रोशी मार्ग को मिलाने वाली सड़कों पर वृहद स्तर पर पौधारोपण करने की तैयारी के निर्देश संभागायुक्त ने दिए है। बैठक में बताया गया कि वन विभाग के माध्यम से पंचक्रोशी मार्ग पर तीन चरणों में पौधारोपण किया जाएगा।

इस वर्ष बारिश के सीजन में करीब 15 हजार पौधारोपण करने की तैयारी की है। पौधे बड़े आकार के होने के साथ ही सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड भी लगाए जाएंगे। संभागायुक्त सिंह ने वन विभाग को पंचक्रोशी मार्ग के साथ ही शिप्रा नदी के किनारे नए घाट के एक साइट में फूलदार पौधे लगाने के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए है। अमलतास, गुल मोहर, नील मोहर, पलाश जैसे गर्मी में खिलने वाले फूलों के पौधों से सजेंगे रोड 274 किमी लम्बे रोड के दोनों साइड और बीच मे भी पौधों को लगाया जायेगा। बैठक में उद्यानिकी विभाग को शिप्रा नदी के किनारे प्रायवेट जमीन पर किसानों को फलदार पौधारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश संभागायुक्त ने दिए। इसके अलावा उद्यानिकी विभाग को अमलतास, पलाश, गुलमोहर जैसे फूलदार पौधा उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत नई सड़कों का निर्माण कराने वाले विभागों को सड़क के दोनों साइट ऐसे पौधे लगाए जाएं जो गर्मी के मौसम में फूल देते है। सड़क के दोनों साइट दो से ढाई मीटर क्षेत्र में पौधारोपण करने का प्लान तैयार कर लें। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि नई निर्मित सड़क पर थीम के आधार पर पौधारोपण करने का प्लान बनाए जिससे सिंहस्थ महापर्व आयोजन तक पौधे बड़े होकर सुंदर कोरिडोर का लुक दे सकें। सिंहस्थ महापर्व में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जल संसाधन विभाग के माध्यम से शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में निर्माणाधीन नवीन घाट निर्माण के साथ ही घाट के एक साइट डेढ़ मीटर की दूरी पर पौधारोपण करने के निर्देश दिए है। बैठक में नगर निगम, वन विभाग, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग (सिंहस्थ), नमामि शिप्रे के अधिकारी मौजूद रहे।

# जल संरक्षण के लिए आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय जरूरी: राजेंद्र सिंह

**एजेंसी**

**भोपाल।** देश में जल पुरुष के नाम से प्रख्यात जलविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा कि ऋग्वेद और अथर्ववेद में जल संरक्षण को लेकर वैज्ञानिक और दूरदर्शी दृष्टि प्रस्तुत की गई है। भारतीय ज्ञान परंपरा में जल को जीवन और सृष्टि के संतुलन का आधार माना गया है। पंचमहाभूतों के संतुलन के बिना मानव जीवन संभव नहीं है तथा पर्यावरणीय संकटों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान को अपनाना आवश्यक है।

जल पुरुष राजेन्द्र सिंह भोपाल में बुधवार से शुरू हुए सात दिवसीय सदानीरा समागम में जलतत्व पर केन्द्रित प्रथम सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षा और ज्ञान का अंतर बताते हुए कहा कि ज्ञान मनुष्य को संस्कृति, प्रकृति और समाज से जोड़कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाती है तथा शिक्षा मनुष्य की दृष्टि को व्यवसायिक बनाती है। भोपाल के भारत भवन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति, पंचमहाभूतों तथा सतत् विकास के विषयों पर केन्द्रित 'सदानीरा

समागम' का शुभारंभ हुई। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह आयोजन जल, प्रकृति और मानव सभ्यता के संबंधों पर केंद्रित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चिंतन-यात्रा है। भारतीय संस्कृति में जल जीवन, चेतना और सभ्यता का आधार है तथा सदानीरा समागम परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। समागम में देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं के विशेषज्ञों के साथ नौ देशों के राजनयिक प्रतिनिधि भी सहभागी हो रहे हैं। जल, पर्यावरण, नवकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर केंद्रित यह आयोजन वैश्विक सहयोग और जनभागीदारी को नई दिशा प्रदान करेगा। समागम में जेके ट्रस्ट के सीएसआर प्रमुख राम भटनागर ने कहा कि मध्य प्रदेश में कॉर्पोरेट क्षेत्र की सहभागिता से ग्रामीण अंचलों में पशुओं के स्वास्थ्य, संरक्षण और संवर्धन को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन और डेयरी विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत पशु स्वास्थ्य सेवाओं, संतुलित पोषण तथा ग्रामीण सहभागिता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। हिन्दुस्तान यूनिलिवर फाउंडेशन के सीईओ डॉ. श्रमण झा ने कहा कि जल संकट विश्व के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। जल स्रोतों के क्षरण, अनियमित वर्षा, भूजल के अत्यधिक दोहन और जलवायु परिवर्तन के कारण स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। जल संरक्षण और प्रभावी जल प्रबंधन के बिना जलवायु परिवर्तन की किसी भी रणनीति को सफल नहीं बनाया जा सकता।

# मंगोलिया में श्रद्धालु करेंगे भगवान बुद्ध के परम शिष्यों के पवित्र अवशेषों के दर्शन

**एजेंसी**

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल पर मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में स्थित विश्व धरोहर सांची स्तूप से भगवान बुद्ध के परम शिष्य अरिहंत, सारिपुत्र एवं महामोद्ल्यायन के पवित्र अवशेष सार्वजनिक दर्शन के लिये मंगोलिया भेजे जा रहे हैं।मप्र के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने जानकारी देते हुए भोपाल के राजाभोज विमान तल पर गुरुवार, 28 मई को इन पवित्र अवशेषों को राजकीय सम्मान के साथ विशेष विमान द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहल संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार), पर्यटन और संस्कृति, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल बौद्ध कन्फेडरेशन (IBC) के संयुक्त समन्वय से आयोजित की जा रही है। इस ऐतिहासिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करना, साझा आध्यात्मिक विरासत को मजबूत करना और बौद्ध तीर्थ पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है। यह पहल केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने बताया कि नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में 29 मई को पवित्र अवशेषों को सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाएगा। इस अवसर पर 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया' के पूज्य भिक्षु पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने बताया कि पवित्र अवशेषों को 30 मई के दिन भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से इन पवित्र अवशेषों को मंगोलिया के लिए रवाना किया जाएगा ।इस पवित्र यात्रा के दौरान धार्मिक परंपराओं की पवित्रता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन और महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया का एक प्रतिनिधि दल अवशेषों के साथ रहेगा। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने बताया कि मंगोलिया की राजधानी उलानबातर में 31 मई 2026 से शुरू होने वाली यह प्रदर्शनी अनुमानित रूप से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, भिक्षुओं और पर्यटकों को आकर्षित करेगी। इससे भारत के बौद्ध तीर्थ सर्किट, विशेषकर सांची जैसे स्थलों में वैश्विक रुचि बढ़ेगी और मंगोलिया की अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ाव भी और मजबूत होगा। भारत की बौद्ध विरासत को मंगोलिया जैसे बौद्ध परंपरा से जुड़े देश में ले जाकर यह भारत की 'बौद्ध धर्म की जन्मभूमि' के रूप में भूमिका को और सशक्त करती है तथा अंतरराष्ट्रीय तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देती है।

# आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

**न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)।** आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालिफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था।

इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी और एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए थे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

**टीम इस प्रकार है**

**राजस्थान रॉयल्सः** रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

**गुजरात टाइटंसः** शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधू, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

# विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालिफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

# आईपीएल2026 : वैभव सूर्यवंशी ने 97 रनों की रिकॉर्ड पारी के साथ हासिल की ऑरेंज कैप

**न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)।** राजस्थान रॉयल्य के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 29 गेंदों में 97 रनों की रिकॉर्ड पारी खेल कर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में एक बार फिर स ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ने बुधवार की रात 12 छक्के लगाते हुए एक IPLसीजन में सर्वाधिक छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह गेल के सबसे तेज IPL शतक (30 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ने के बेहद क़रीब थे लेकिन 29वीं गेंद पर ही 97 रन बनाकर आउट हो गए।

सूर्यवंशी अब 680 रनों के साथ ऑरेंज कैप टेबल में शीर्ष पर हैं। जो दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन से 28 रन अधिक हैं। तीसरे स्थान पर जीटी के कप्तान शुभमन गिल हैं तो वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। ध्रुव धुरेल ने एसआरएच के खिलाफ 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली जिसके बाद उनके 508 रन हो चुके हैं और वह 11वें स्थान पर आ गए हैं। SRH के हाइनरिक क्लासन (624 रन), इशान किशन (602 रन) और अभिषेक शर्मा (563 रन) ने तीसरे, पांचवें और आठवें स्थान पर रहते हुए सीजन समाप्त किया है।

पर्पल कैप तालिका में की बात की जाए तो इस सीजन कई मौको पर जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंदों से सबको आश्चर्य में डाला है। पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से आर्चर ने अलग ही खौफ पैदा किया है। ऋऋको पिछले दो मैचों में लगातार जीत ही हासिल करनी थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आर्चर ने 17 रन देकर तीन विकेट निकाले। SRH के खिलाफ उन्होंने 58 रन दिए लेकिन तीन विकेट भी हासिल किए। आर्चर के महंगे होने पर इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्होंने तीनों बड़े विकेट निकाले और सब पावरप्ले में ही लिए।

आर्चर अब 24 विकेट इस सीजन ले चुके हैं। उनसे आगे दो ऐसे गेंदबाज़ हैं जो अब भी और विकेट हासिल कर सकते हैं। ऋष्क्र के भुवनेश्वर कुमार और जीटी के कगिसो रबाडा दोनों के नाम 26 विकेट हैं।

# श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

**कोलंबो (एजेंसी)।** भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और ख्क्र के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस लीग में दांबुला सिक्सर्स के लिए रीजा हेंड्रिक्स (दक्षिण अफ्रीका) और दिनेश चांदीमल (श्रीलंका); गाले गैलेंट्स के लिए ईशान मलिंगा (श्रीलंका) और दासुन शनाका (श्रीलंका); तथा कोलंबो कैप्स के लिए कुसल मेंडिस (श्रीलंका) और कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से से सत्र रोमांचक होना तय है।

# बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी : ध्रुव जुरेल

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने साथी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में भी वह विरोधी गेंदबाज की ख्याति से भयभीत नहीं होता। 15 वर्ष के सूर्यवंशी ने IPL में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाए हैं। बुधवार को उन्होंने कमिंस को लगातार तीन छक्के लगाए। सूर्यवंशी के 29 गेंद में 97 रन की मदद से रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई। जुरेल ने कहा, 'वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।' इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि यह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।'

# आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

मुम्बई। आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने हैं। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे हैं। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ों को देखकर हैरत में पड़ गये हैं। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए हैं। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इसस अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये हैं। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

# महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को आगामी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के लिए अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। यह महिला टी-20 विश्व कप का लगातार तीसरा एडिशन होगा जिसमें पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों पैनल होगा, जिसमें कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी सभी 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में अपने टूर्नामेंट में पर्दापण करेंगी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों का यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाने के ICC की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम इन अधिकारियों की प्रोग्रेस और ICC CWC 2025 के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए ऊंचे मानकों को देखकर बहुत खुश हैं। जैसे ही हम दुनिया के सबसे बड़े महिला स्पोर्टिंग प्रतियोगिता को आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, यह चयन इस एथलेटिक स्पर्धा को और बढ़ाएगा।'

टी20 विश्व कप के 33 मैचों में कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी इस्तेमाल किए जाएंगे जिसमें 2024 एडिशन से मैच अधिकारियों की टीम के 9 सदस्य आने वाले इवेंट के लिए वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं क्योंकि वह टूर्नामेंट में अपनी छठी उपस्थिति के लिए तैयार हो रही हैं, उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है, जबकि जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन - जिन्होंने इस स्टेज पर 19-19 मैचों की देखरेख की है - इंग्लैंड और वेल्स में पांच टी-20 विश्व कप के माइलस्टोन तक पहुंचेंगी।

मैच रेफरी में तीन रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं - शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा जो 2024 एडिशन का भी हिस्सा थे। चार रेफरी के ग्रुप को न्यूजीलैंड से ट्रुडी एंडरसन पूरा करेंगी।

# सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी हैं और आठ बार पराजित हो चुकी हैं। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपै के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी अंतिम आठ में पहुंच गए जिन्होंने जापान की युता वातानाबे और माया तागुची को 8-21, 21-17, 21-16 से मात दी। अब उनका सामना कोरिया के किम जाए हियोन जांग और हा जियोंग तथा मलेशिया के चेन तांग जिये और तोह ई वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय आखिरी गेम में बुरी तरह पिछड़ गए और 61 मिनट तक चले मैच में घरेलू दावेदार लोह कीन यू से 18-21, 21-16, 15-21 से हार गए।

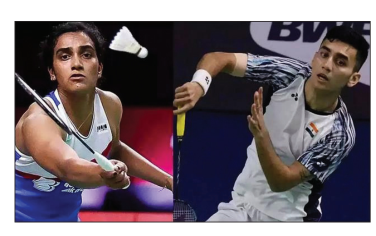

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ। अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढ़त बना ली थी लेकिन एबी विल्सन के दो गोल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 2.1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4.2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1.1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए चानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डोनेस के गोल की बदौलत दसवें मिनट में ही बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने अब तक डिफेंस और मिडफील्ड में काफी प्रभावित किया है। कोच मारिन हालांकि अपने स्ट्राइकरों को गोल करते देखना चाहते हैं। कप्तान सलीमा टेटे जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही है। भारत की नजरें पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करने पर भी लगी होंगी। विश्व रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इस समय आठवें और भारत नौवे स्थान पर है। आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला काफी अहम है। इसके बाद नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक विश्व कप भी खेला जाना है। नेशंस कप के जरिये भारतीय टीम 2026-27 सत्र के लिए FIH प्रो लीग में वापसी करना चाहेगी जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का हॉकी क्वालीफायर भी है। फाइनल मैच शनिवार को होगा।

# 27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

## 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

# SRH का खेलने का तरीका तारीफ के काबिल है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है : मूडी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व हेड कोच टॉम मूडी ने कहा कि टीम का बैटिंग पर ज्यादा जोर देने का तरीका और उनका खेलने का कुल मिलाकर अंदाज 'तारीफ के काबिल है।' फिर भी इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी बॉलिंग यूनिट में और ज्यादा निवेश करना चाहिए।

मूडी की ये टिप्पणियां तब आईं जब स्त्र्ग को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम पॉइंट्स टेबल पर तीसरी सबसे बेहतरीन टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। बड़े रन बनाने के लिए SRH ने अपने बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन (624 रन), ईशान किशन (602 रन), अभिषेक शर्मा (563 रन) और ट्रैविस हेड (410 रन) पर बहुत ज्यादा भरोसा किया।

बॉलिंग में ईशान मलिंगा (20 विकेट) और साकिब हुसैन (15 विकेट) सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें जगाईं। लेकिन मूडी ने बॉलिंग लाइन-अप में बड़े नामों की कमी की ओर इशारा किया, सिवाय पैट कमिंस के, जिन्हें 2024 में 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

मूडी ने कहा, 'यह एक तारीफ के काबिल तरीका है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे खुद को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब बॉलिंग की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप बैटिंग यूनिट के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत बॉलिंग यूनिट बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो उस बैटिंग को सहारा दे सके।' उन्होंने कहा, 'यह (सब कुछ) संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि RCB (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने यही किया है। उन्होंने सही संतुलन बनाया है। इसलिए मैं इस तरीके के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन जब आप सैलरी कैप और बाकी सब चीजों की बात करते हैं, तो आपको संतुलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।'

# नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

**'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।**

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?'

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं।

नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।

# बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'हतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ''मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'हतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।'' अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ''सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।''

अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ''अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।''

# साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है।

अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, 'हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।' बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए।'

'मुन्ना भाई एमबीबीएस.', '3 ईडियट्स', 'खोसला का घोषला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

# क्या शाहरुख की 'किंग' का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में 'किंग' की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह 'किंग' का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान 'किंग' के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

# एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।

# मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

**अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।**

## मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

## जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत मैं जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

## कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

## मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

## इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

## आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिषासुर का सिर उनके हाथ में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रेप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

## चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।

# सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

**ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।**

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंतत- डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

## लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्र्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

## उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

# जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

## क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकझ होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंतत- लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

## कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख हैं डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

## व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

## जांचे

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

## इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

## सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियत्रंण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकझ होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

# बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फ्रैक्चर का सटीक इलाज

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फ्रैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फ्रैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर में भी प्रभावी है।

**बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फ्रैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर में भी प्रभावी है।**

## क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फ्रैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभ्भाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

## पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

## क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

# स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

**जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।**

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।